राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

6 शुभ योगों में मनाई जायेगी अक्षय तृतीया, करें मां लक्ष्मी ...8

दैनिक बुद्ध का संदेश | 9795951917,9415163471 | @budhakasandesh | budhakasandeshnews@gmail.com | www.budhakasandesh.com

शनिवार, 22 अप्रैल 2023 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्ष: 10 अंक: 121 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

अध्यात्म की जन्मभूमि रहा है भारत

राजनाथ बोले: हमारी परम्परा में चिकित्सकों को देवतातुल्य माना गया है

नई दिल्ली। राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी के 63वें स्थापना दिवस को केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संबोधित किया। राजनाथ सिंह ने कहा कि एकल परिवार तक तो ठीक था पर समाज में अनेक कारण पनपने लगे हैं जिसके चलते एकल परिवार भी टूटे और समाज उप–एकल परिवार की तरफ आगे बढ़ा है, अगर इस गति को नहीं रोका गया तो वह दिन दूर नहीं जब समाज में विवाह की संकल्पना ही खत्म हो जाएगी। उन्होंने कहा कि हमारे देश की स्वास्थ्य संबंधी नीति निर्माण हो, या देश में बन रहे नए एम्स हों, इनमें छ।डै एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस अकादमी ने वक्त के साथ अपनी प्रासंगिकता साबित की है, और आगे भी यह अकादमी देश के स्वास्थ्य क्षेत्र में अपना योगदान देती रहेगी, ऐसा मेरा विश्वास है। राजनाथ सिंह ने कहा कि डॉक्टरों और मैडिकल चिकित्सकों का हमारे देश में बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान रहा है। हमारी परम्परा में चिकित्सकों को देवतातुल्य माना गया है। आप सभी ने स्वामी विवेकानंद का एक कथन सुना होगा, जिसमें वह कहते हैं, कि 'गुरु को चिकित्सक के समान होना चाहिए। उन्होंने कहा कि चिकित्सकों को इतना बड़ा स्थान केवल हमारी संस्कृति ही दे सकती है, हम ही दे सकते हैं। चिकित्सक, समाज के लोगों को आरोग्य प्रदान करते हैं, उन्हें स्वस्थ रखने का का कार्य करते हैं और इसके माध्यम से न केवल समाज, राष्ट्र बल्कि मानवता के कल्याण में अपनी भूमिका सुनिश्चित करते हैं। स्वास्थ्य, किसी भी राष्ट्र के विकास के लिए प्रथम अनिवार्य तत्व होता है। किसी देश के स्वस्थ नागरिकों के द्वारा ही देश का समग्र विकास संभव है। भाजपा नेता ने कहा कि लोग जितने स्वस्थ होंगे, देश की प्रगति के लिए वे उतनी ही ऊर्जा और सक्रियता के साथ कार्य कर सकने में सक्षम होंगे।

जाति जनगणना के मुद्दे पर कांग्रेस ने तेज की सियासत, राहुल गांधी ने दी पीएम मोदी को ऐसी चुनौती

नई दिल्ली। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए अब कुछ समय ही बाकी रह गया है। ऐसे में राजनीतिक पार्टियां एक–दूसरे को कटघरे में खड़ा करने का काम कर रही हैं। तमाम चुनावी मुद्दों के बीच राहुल गांधी ने जातीय जनगणना के मुद्दे पर बीजेपी सरकार को घेरा है। दरअसल, राहुल गांधी कर्नाटक के कोलार में कांग्रेस की 'जय भारत' चुनावी रैली कर रहे थे। इस दौरान राहुल गांधी ने पीएम मोदी को चुनौती देते हुए कहा कि पीएम मोदी साल 2011 की जाति आधारित जनगणना के आंकड़ों को सार्वजनिक करें। ओबीसी का अपमान: इसके अलावा कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पीएम मोदी से आरक्षण पर 50: की सीमा हटाए जाने की भी मांग की है। राहुल गांधी का कहना है कि साल 2011 में यूपीए सरकार में हुई जाति जनगणना के आंकड़ों को सरकार को सार्वजनिक करना चाहिए। राहुल के अनुसार, अगर पीएम मोदी ऐसा नहीं करते हैं तो यह ओबीसी का अपमान है। उन्होंने कोलार में कहा कि पीएम मोदी ओबीसी की बात करते हैं तो वह उस आंकड़े को जारी क्यों नहीं करते हैं। उन्हें यह बताना चाहिए कि देश में कितने दलित, ओबीसी और आदिवासी हैं। राहुल गांधी ने राज्य सरकार पर साधा निशाना: कर्नाटक में विधानसभा चुनावों को लेकर राहुल गांधी ने कहा कि राज्य में कांग्रेस पार्टी को पूरे बहुमत से विजयी बनाना है। उन्होंने कहा कि भाजपा पार्टी 40 फीसदी कमीशन वाले पैसे से आपकी सरकार को चुराने का पूरा प्रयास करेगी। लेकिन अब इनके भ्रष्टाचार को मौका नहीं देना है। साथ ही उन्होंने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि कर्नाटक में बीजेपी सरकार ने क्या काम किया है।

बीजेपी ने जनता का पैसा चोरी किया- राहुल

कांग्रेस के राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा ने 40 फीसदी कमीशन खाया है। बीजेपी सरकार ने काम करवाने के लिए कर्नाटक की जनता, महिलाओं, युवाओं से पैसा चोरी किया है। 40 फीसदी कमीशन लिया गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सोचती है कि वह उनको संसद से हटाकर डरा देगी। लेकिन वह किसी से भी डरने वाले नहीं है।

जाति जनगणना को सार्वजनिक करे सरकार:राहुल

राहुल ने आगे कहा कि जातीय जनगणना हर वर्ग को सही प्रतिनिधित्व देने का आधार है, यह वंचितों का आधार है। राहुल गांधी ने कहा कि मोदी सरकार में केवल 7 फीसदी सचिव ओबीसी, दलित समुदाय, आदिवासी समुदाय से आते हैं। इसलिए यूपीए सरकार में हुई जाति जनगणना के आंकड़े को पीएम मोदी को सार्वजनिक करना चाहिए। अगर वह ऐसा नहीं करते हैं तो यह ओबीसी का अपमान होगा। उन्होंने आगे कहा कि यदि सभी को देश के विकास का हिस्सा बनाना है तो हर समुदाय की आबादी का पता लगाया जाना जरूरी है।

पुंछ में हुए हमले की जांच तेज

आतंकियों की तलाश जारी, ड्रोन और हेलीकाप्टर की ली जा रही मदद

श्रीनगर। जम्मू–कश्मीर के पूंछ में बृहस्पतिवार को हुए एक आतंकवादी हमले में हमारे पांच जवान शहीद हो गए। इसके बाद सुरक्षा बलों की ओर से बाटा–डोरिया क्षेत्र के एक घने जंगल में एक बड़ा तलाश अभियान शुरू किया गया है। रक्षा सूत्रों ने बताया कि सेना और सुरक्षा एजेंसियों को राजौरी–पूंछ सेक्टर में उस इलाके के पास दो समूहों में सक्रिय 6–7 आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में सूचना मिली है, जहां कल घटना हुई थी। यह समूह कल पूंछ सेक्टर में भारतीय सेना के वाहन पर घात लगाकर हमला करने में शामिल था जिसमें 5 जवान शहीद हो गए थे। आतंकवादियों को खोजने के लिए ड्रोन और हेलीकाप्टर के अलावा खोजी कुतों का इस्तेमाल किया जा रहा है। रक्षा सूत्र ने यह भी बताया कि सेना, पुलिस और खुफिया एजेंसियों सहित सुरक्षा बल अभियानों का समन्वय कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक आतंकियों के लश्कर के होने और पाकिस्तान के होने का संदेह है। क्षेत्र में उनके प्रवेश के मार्ग के बारे में अधिक जानकारी का पता लगाया जा रहा है। उस क्षेत्र में बड़े पैमाने पर खोज की जा रही है जहां कई गुफा–प्रकार की प्राकृतिक संरचनाएं मौजूद हैं।अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) जांच के तहत घटनास्थल का दौरा करेगा। सेना ने बताया कि पुंछ में बृहस्पतिवार को एक आतंकवादी हमले के बाद सेना के वाहन में आग लगने से पांच जवान शहीद हो गए, जबकि एक अन्य जवान गंभीर रूप से घायल हो गया।

सेना ने एक बयान में कहा है कि हमले में शहीद हुए जवान राष्ट्रीय राइफल्स इकाई के थे और उन्हें इलाके में आतंकवाद रोधी अभियानों के लिए तैनात किया गया था। सेना ने कहा कि जिस वाहन में जवान यात्रा कर रहे थे, वह अज्ञात आतंकवादियों के हमले की चपेट में आ गया और संभवतरू ग्रेनेड की चपेट में आने के कारण उसमें आग लग गई। शहीद हुए जवानों की पहचान हवलदार मंदीप सिंह, लांसनायक देबाशीश बस्वाल, लांसनायक कुलवंत सिंह, सिपाही हरकृष्ण सिंह और सिपाही सेवक सिंह के रूप में की गई है। जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि वह बहादुर सैनिकों की शहादत से दुखी हैं।

ममता सरकार पर केंद्र का बकाया, गृह मंत्रालय ने राशि चुकाने का दबाव बढ़ाया

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृह मंत्री पर निशाना साधा है। ममता बनर्जी ने भी उनके इस्तीफे की मांग की है। ममता की तरफ से ये टिप्पणी ऐसे वक्त में सामने आई है जब गृह मंत्रालय ने केंद्रीय बलों से बकाया राशि मांगने के लिए राज्य पर दबाव बढ़ाया। मंत्रालय ने एक लिखित संदेश में कहा है कि बकाया के कारण मूल राशि पर जुर्माना लगाया गया है। परिणामस्वरूप अब तक करीब 1852 करोड़ रुपये का निस्तारण होना शेष है। हालांकि आधिकारिक तौर पर इस बारे में किसी ने कुछ नहीं कहा है, लेकिन गृह विभाग के एक सूत्र ने बताया कि राज्य पर केंद्र की बड़ी रकम बकाया है। यह पैसा उन्होंने लंबे समय से रोक रखा है। उस लिहाज से मंत्रालय द्वारा मांगी गई राशि बहुत कम है। चुनाव, कानून व्यवस्था सहित कई कारणों से केंद्रीय बलों को राज्यों में तैनात किया जाता है। लगभग सभी मामलों में केंद्र राज्यों से बलों के लिए एक निश्चित राशि की मांग करता है। सूत्रों के मुताबिक मंत्रालय की ओर से राज्य प्रशासन के आला अधिकारियों को भेजे गए पत्र में बताया गया है कि पिछले साल 30 जून तक राज्य पर इस क्षेत्र का करीब 1806 करोड़ बकाया है। पिछले साल एक अक्टूबर से 31 दिसंबर तक करीब 21 करोड़ रुपए भी बकाया थे। मंत्रालय के नियमों के मुताबिक, इस क्षेत्र में 90 दिनों के भीतर भुगतान न करने पर 2.5: की दर से जुर्माना लगाया जाता है। अब तक करीब 44 करोड़ रुपए का अतिरिक्त बोझ दबा है। कुल मिलाकर राज्य को करीब 1852 करोड़ रुपये का भुगतान करना होगा। राज्य के प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार आमतौर पर राज्य अपने दम पर केंद्रीय बल नहीं चाहते हैं। अगर चुनाव होता है तो राष्ट्रीय चुनाव आयोग की सिफारिश पर केंद्रीय बल राज्य में आते हैं। इस राज्य में पिछले कुछ चुनावों में बड़ी संख्या में बल भेजे गए थे। नतीजतन, सैनिकों की तैनाती की सिफारिश करने वाले अधिकारियों को लागत को देखने की जरूरत है। इसे राज्य के कंधों पर डालना उचित नहीं है।

पायलट के आरोपों पर वसुंधरा राजे ने तोड़ी चुप्पी, कहा– क्या दूध और नींबू रस आपस में कभी मिल सकते हैं?

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मिलीभगत के आरोपों को खारिज करते हुए भाजपा नेता वसुंधरा राजे ने कहा कि दूध और नींबू का रस एक साथ नहीं हो सकते। पूर्व मुख्यमंत्री ने श्रीगंगानगर जिले के सूरतगढ़ शहर के जम्भेश्वर मंदिर में संवाददाताओं से कहा कि साजिश के तहत झूठ फैलाया जा रहा है। उन्होंने साफ तौर पर पूछा कि ष्क्या दूध और नींबू का रस कभी मिल सकता है।ष बिना किसी का नाम लिए और सचिन पायलट का परोक्ष रूप से जिक्र करते हुए राजे ने कहा कि झूठे आरोप लगाए बिना कुछ लोगों को चौन नहीं मिलता।

लोगों की सुरक्षा रामभरोसे नहीं छोड़ी जा सकती

साकेत कोर्ट फायरिंग पर अरविंद केजरीवाल ने दी तीखी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने साकेत कोर्ट परिसर में शुक्रवार सुबह एक महिला और उसके वकील को गोली मारने की घटना पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है. केजरीवाल ने दावा किया कि दिल्ली में कानून व्यवस्था की स्थिति पूरी तरह से चरमरा गई है, अगर वह नहीं संभाल सकते हैं, तो उस व्यक्ति को इस्तीफा दे देना चाहिए। केजरीवाल ने ट्वीट करते हुए कहा कि दिल्ली में कघनून व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गयी है। दूसरों के कामों में अड़चन करने और हर बात पर गंदी राजनीति करने की बजाय सबको अपने अपने काम पर ध्यान देना चाहिये। और अगर नहीं सँभलता तो इस्तीफा दे देना चाहिए ताकि कोई और कर ले। लोगों की सुरक्षा रामभरोसे नहीं छोड़ी जा सकती। दक्षिण दिल्ली में शुक्रवार को सुबह साकेत अदालत के अंदर एक महिला को गोली मार दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि महिला अपने वकील के साथ थी तभी एक शख्स ने उसे गोली मार दी। अधिकारी ने बताया कि पुलिस तुरंत उसे अस्पताल ले गई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि महिला अपने वकील के साथ थी जब एक व्यक्ति ने उसे गोली मार दी। अधिकारी ने कहा कि पुलिस उसे तुरंत अस्पताल ले गई।

मन की बात के 100 एपिसोड पूरे होने पर जारी होगा 100 रुपये का सिक्का, ऐसी होगी बनावट

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ रेडियो कार्यक्रम मन की बात रविवार के दिन यानी 30 अप्रैल को अपने 100वें संस्करण को पूरा करेगा। मन की बात के 100वें एपिसोड के अवसर पर 100 रुपए का नया सिक्का जारी किया जाएगा। सिक्के केंद्र सरकार के अधिकार के तहत ढाले जाएंगे। वित्त मंत्रालय की आधिकारिक अधिसूचना में कहा गया है कि एक सौ रुपये के मूल्यवर्ग का सिक्का केवल ष्मन की बात के 100वें एपिसोड के अवसर पर केंद्र सरकार के अधिकार के तहत जारी किया जाएगा। बीजेपी ने एक लाख से भी अधिक बूथ पर इसका प्रसारण सुनाने की योजना बनाई है। नए सिक्के के मुख पर मध्य में अशोक स्तंभ का सिंह शीर्ष होगा जिसके नीचे देवनागरी लिपि में सत्यमेव जयते लिखा होगा। बाईं परिधि पर देवनागरी लिपि में भारत शब्द और दाईं परिधि पर अंग्रेजी में इंडियाष शब्द है। इस पर रुपये का प्रतीक ष्छष और मूल्यवर्ग मूल्य 100 नीचे अंतरराष्ट्रीय अंकों में होगा। सिक्के के इस चेहरे पर मन की बात की 100वीं कड़ी का लोगो होगा। अधिसूचना में कहा गया है कि ध्वनि तरंगों के साथ माइक्रोफोन छवि की एक छवि और माइक्रोफोन की छवि पर वर्ष श2023श लिखा हुआ है। देवनागरी लिपि में श्मन की बात 100श और अंग्रेजी में श्मन की बात 100श माइक्रोफोन छवि के ऊपर और नीचे लिखे गए हैं।

जुमे की नमाज के बाद लगे अतीक अहमद अमर रहे के नारे, योगी सरकार पर लगाया गया गंभीर आरोप

पटना। पवित्र रमजान का महीना चल रहा है। आज रमजान का आखिरी जुमे का नमाज था। इन सबके बीच से माफिया अतीक अहमद के हत्या का मामला अब गर्म होता दिखाई दे रहा है। पटना में एक मस्जिद के बाहर अतीक अहमद के समर्थन में नारे लगे हैं। नमाज के बाद अतीक अहमद अमर रहे की जमकर नारेबाजी की गई। यह वीडियो सोशल मीडिया पर जबरदस्त तरीके से वायरल हो गया है। इतना ही नहीं, आतीक और उसके भाई अशरफ के समर्थकों ने इस बात का भी ऐलान किया कि उनकी शहादत हुई है। उनके समर्थकों ने कहा कि दोनों को योजना के तहत मारा गया है। इसके अलावा योगी सरकार पर भी बड़े आरोप लगाए गए हैं। एक रोजेदार ने कहा कि हमने अल्लाह से दुआ किया है कि अतीक अहमद की शहादत को कबूल फरमा। इस दौरान अतीक के समर्थक अशरफ और असद का भी नाम ले रहे हैं। अतीक के एक समर्थक ने कहा कि योगी सरकार ने प्लान वे में उनको मरवाया है। उसने बताया कि सरकार और पुलिस का हाथ उसको मनवाने में है। वह लगातार अतीक अहमद को शहिद बता रहा है। आपको बता दें कि गत 15 अप्रैल को माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की पुलिस हिरासत में उस समय गोली मारकर हत्या कर दी गई जब पुलिस उन्हें चिकित्सा परीक्षण के लिए काल्विन अस्पताल में लेकर दाखिल हुई। हमलावरों को उसी समय गिरफ्तार कर लिया गया था।

महाराष्ट्र में बीड जिले में माफिया और पूर्व सांसद अतीक अहमद तथा उसके पूर्व विधायक भाई अशरफ अहमद को बैनर लगाकर 'शहीद'बताने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि यह घटना मंगलवार को जिले के माजलगांव में हुई, जिसके बाद कई स्थानीय लोग बैनर के पास जमा हो गए। अधिकारियों ने तुरंत इस बैनर को हटाया।

ईद-उल-फितर को सकुशल व शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराये जाने हेतु समस्त थाना क्षेत्रों में पुलिस बल ने किया पैदल गस्त

■ त्योहारों में गड़बड़ी पैदा करने वालों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करने का दिये सदेश

■ लोगो से आपसी भाई-चारे के साथ त्योहारों को मनाने की कि अपील

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोण्डा। पुलिस अधीक्षक आकाश तोमर के निर्देशन में आगामी ईद–उल–फितर को सकुशल व शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने हेतु अपर पुलिस अधीक्षक गोण्डा, जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारी, प्रभारी निरीक्षकध्थानाध्यक्ष व चौकी प्रभारी द्वारा भारी पुलिस बल के साथ पैदल गस्त किया गया तथा आगामी ईद–उल–फितर त्यौहार को सकुशल व शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराए जाने हेतु आम जनमानस से संवाद स्थापित करते हुए सभी लोगों से आपसी भाई–चारे के साथ त्यौहार मनाने की अपील की गयी। ईद–उल–फितर की नमाज हेतु सम्बन्धित स्थलों पर पूर्व से बिन्दुवारध्नामवार पुलिस अधिकारियोंध्कर्मचारीयों की डियूटी दंगा नियंत्रण उपकरण के साथ लगयी गयी है। क्यू0आर0टी0 टीमों को स्ट्रेटेजिक प्वाइण्ट पर तैयारी हालत में रखा गया है। तथा पुलिस अधीक्षक द्वारा यह भी कहा गया की किसी भी व्यक्ति द्वारा सोशल मीडिया आदि के माध्यम से कोई भी भ्रामक पोस्ट न डाले जिससे अमन चौन खराब न हो अगर किसी भी व्यक्ति द्वारा भ्रामक पोस्ट डाल कर त्योहारों का माहौल खराब करने की कोशिश करेंगा उसके विरूद्ध सख्त से सख्त वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

शांतिभंग की आशंका के मद्देनजर पुलिस द्वारा की गयी कार्यवाही

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोंडा। पुलिस द्वारा विभिन्न मामलो में शान्ति भंग की आशंका के मद्देनजर जनपद के विभिन्न थानों से कुल– 15 व्यक्तियों को अन्तर्गत धारा–151ध107ध116 सीआरपीसी में गिरफ्तार कर चालान न्यायालय किया गया तथा भारी से भारी जमानत मुचलके से पाबन्द कराया गया। 03 वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार गोण्डा। पुलिस अधीक्षक महोदय के निर्देशन में चलाए जा रहे वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के अभियान में जनपद गोंडा के थाना नवाबगंज पुलिस ने 02, थाना कोतवाली मनकापुर पुलिस ने 01 वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय रवाना कर दिया गया। अवैध शराब के निष्कर्षण, बिक्री व परिवहन के विरुद्ध जनपदीय पुलिस द्वारा की गई कार्यवाही थाना धानेपुर पुलिस द्वारा की गयी कार्यवाही धानेपुर। दक्षराज स्व0 सियाराम निवासी सोनबरसा पो0 विशुनपुर बैरिया थाना कोतवाली देहात जनपद गोण्डा के कब्जे से 10 ली0 अवैध कच्ची शराब बरामद कर मु0अ0सं0– 119ध23, 02. श्रीमती बरसाती पुत्र रामलाल निवासी डिहवा(इन्द्रापारा) थाना धानेपुर जनपद गोण्डा के कब्जे से 10 ली0 अवैध कच्ची शराब बरामद कर मु0अ0सं0– 121ध23, धारा 60 आबकारी अधि0 के तहत अभियोग पंजीकृत कर कार्यवाही की गयी। थाना करनैलगंज पुलिस द्वारा की गयी कार्यवाही करनैलगंज।बब्लू पुत्र रामदास निवासी ग्राम गोडियनपुरवा थाना कर्नलगंज जनपद–गोण्डा के कब्जे से 20 ली0 अवैध कच्ची शराब बरामद कर मु0अ0सं0– 206ध23, 02. जित चौधरी पुत्र जवाहर चौधरी नि0 ग्राम महुआ थाना महुआ जिला वैशाली बिहार राज्य विहार के कब्जे से 05 ली0 अवैध कच्ची शराब बरामद कर मु0अ0सं0– 207ध23, धारा 60 आबकारी अधि0 के तहत अभियोग पंजीकृत कर कार्यवाही की गयी। थाना नवाबगंज पुलिस द्वारा की गयी कार्यवाही नवाबगंज।राधे पुत्र कन्हईलाल निवासी ग्राम नकहा कुट्टी मौजा तुरकौली थाना नवाबगंज गोण्डा के कब्जे से 20 ली0 अवैध कच्ची शराब बरामद कर मु0अ0सं0– 192ध23, धारा 60 आबकारी अधि0 के तहत अभियोग पंजीकृत कर कार्यवाही की गयी। थाना खरगूपुर पुलिस द्वारा की गयी कार्यवाही खरगूपुर। राजबहादुर पुत्र राजेन्द्र प्रसाद नि0 इटहिया नवीजोत नवीनगर थाना खरगूपुर जनपद गोण्डा के कब्जे से 10 ली0 अवैध कच्ची शराब बरामद कर मु0अ0सं0– 121ध23, धारा 60 आबकारी अधि0 के तहत अभियोग पंजीकृत कर कार्यवाही की गयी।

अवैध शस्त्र के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

गोरखपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में व पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में तथा क्षेत्राधिकारी कैण्ट के नेतृत्व में आपरेशन तमंचा के तहत अवैध असलहो की बरामदगी हेतु खोराबार पुलिस को लगाया गया था । जिसके क्रम में प्रभारी निरीक्षक खोराबार की टीम द्वारा मुखबीर की सूचना पर अभियुक्त विवेक उर्फ सेठ पुत्र स्वध् बंशु निवासी रामनगर करजहाँ धूसी टोला थाना खोराबार जनपद गोरखपुर को 01 अदद अवैध तमंचा .315 बोर व 01 अदद जिन्दा कारतूस .315 बोर के साथ गिरफ्तार किया गया । जिसके संबंध में मुअसं 325ध2023 धारा 3ध25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

पत्रकारों की समस्याओं को लेकर की संयुक्त बैठक आस्था पैलेस में कल

गोरखपुर। प्रदेश में पत्रकार उत्पीड़न की बढ़ रही घटनाओं एवं उनकी समस्याओं को लेकर भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार समन्वय समिति व सोशल मीडिया पत्रकार महासंघ की मासिक बैठक रविवार 23 अप्रैल को प्रातः 11 बजे से आस्था पैलेस, रामप्रीत चौराहा, रामजानकी नगर, निकट अम्बेडकर प्रतिमा, बशारतपुर में आहूत की गयी है जिसमें अखिल भारतीय पत्रकार कल्याण ट्रस्ट, संयुक्त क्रांतिकारी पत्रकार मोर्चा, भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार समन्वय समिति एवं सोशल मीडिया पत्रकार समन्वय समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य भाग लेंगे उक्त सूचना संगठन के गोरखपुर मंडल के अध्यक्ष डॉ सतीश चंद्र शुक्ला एवम जिलाध्यक्ष केसी चौधरी ने संयुक्त रूप से देते हुए बताया कि इसमें विभिन्न पत्रकार संगठनों के पदाधिकारी एवं सदस्य भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि बैठक कि अध्यक्षता संयुक्त क्रांतिकारी पत्रकार मोर्चा के प्रान्तीय अध्यक्ष उमेश मिश्र करेंगे तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में ऑल इण्डिया जर्नलिस्ट वेलफेयर ट्रस्ट के चेयरमैन सरदार दिलावर सिंह संगठन के राष्ट्रीय सलाहकार राजन सिंह सूर्यवंशी सहित सहित विभिन्न जनपदों के विभिन्न पत्रकार संगठनों के सदस्य एवं पदाधिकारी भाग लेंगे। पदाधिकारी द्वय ने इसमें सभी से समय से भाग लेने की अपील की है।

हिन्दू महासंघ ने डीआईजी को सौंपा ज्ञापनः कठिनाइयां नदी के पास गोकशी के धंधे को रोकने की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। शुक्रवार को विश्व हिन्दू महासंघ अध्यक्ष अखिलेश सिंह

के नेतृत्व में महासंघ पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने पुलिस उप महानिरीक्षक को ज्ञापन देकर बस्ती–सन्तकबीर नगर सीमा पर कठिनाईयां नदी के दोनों किनारों के बीच चल रहे गोकशी, गोमांस बिक्री कारोबार पर रोक लगाने की मांग किया। महासंघ अध्यक्ष अखिलेश सिंह ने डीआईजी को बताया कि संत कबीर नगर जनपद के दुधारा थाना क्षेत्र के बाघनगर के कठिनइयां नदी के किनारे उचहरा गांव एवं बस्ती जनपद के मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के खझौला चौकी क्षेत्र के मुजहना में कठिनइया नदी के किनारे खुले आम गोकशी का धंधा चल रहा है। इन्हें स्थानीय पुलिस का भी संरक्षण प्राप्त है। उन्होने डीआईजी से कहा कि प्रदेश में योगी आदित्यनाथ जी की सरकार है और इसके बावजूद गोकशी का धंधा चल रहा है जो दुःखद है। गोकशी का विरोध करने वालों को उल्टे फर्जी मामलों में फंसा दिया जाता है। डीआईजी ने कहा कि पूरे मामले की जांच कराकर दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई कराया जायेगा। ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से विश्व हिन्दू महासंघ सौरभ तिवारी, राकेश सिंह, राजकुमार उर्फ मन्टू चौधरी, उपेन्द्र सिंह, आशीष उर्फ कल्लू बाबा आदि शामिल रहे।

गांव में घुसे तेंदुए का वन विभाग व छपिया पुलिस की टीम ने किया रेस्क्यू

दैनिक बुद्ध का संदेश

छपिया,गोंडा। थाना छपिया क्षेत्र के शीतल गंज गांव के बगल दलाल जोत गांव में पहुंचे चीते की खबर सुनते ही गांव की लोगों में अफरा–तफरी मच गई। तेंदुवा देखने के लिए आसपास के गांव

के लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी छपिया पुलिस को भीड़ हटाने के लिए काफी मशक्कत का सामना करना पड़ास काफी मशक्कत के बाद वन विभाग की टीम को तेंदुए को पकड़ने में सफलता मिलीस वन क्षेत्र अधिकारी विनोद नायक ने बताया तेंदुआ को पकड़ लिया गया है जाल लगा के घर में रखा गया है। पिजड़ा मंगाया जा रहा है। किसी भी जान माल कि कोई छति नहीं हुई है।

दावेदारों ने मतदाताओं के चौखट पर तेज की गणेश परिक्रमा

दैनिक बुद्ध का संदेश

उतरौला,बलरामपुर। शदीद व उमस भरी गर्मी के बावजूद अध्यक्ष व सदस्य पद के लिए दावेदारों ने चुनाव प्रचार जन संपर्क के माध्यम से तेज कर दी है।अध्यक्ष पद से तवक्कल हुसैन का चुनाव लड़ने में असमर्थता से भाजपा व निर्दलीय प्रत्याशी के बीच मुकाबला रोमांचक होने के आसार हैं, फिलहाल मतदाता अभी चुप्पी साधे हुए हैं। नगर पंचायत चुनाव की सरगर्मी हर रोज नये अंदाज में आगे बढ़ रही है।इसका स्वरूप भी समय के साथ बदलता जा रहा है सदस्य पद हेतु दावेदारों ने मतदाताओं के चौखट की गणेश परिक्रमा शुरू कर दी है।पूर्व में रहे सदस्य को मतदाताओं की अपेक्षा पर खरा न उतरने के आरोप का भी सामना करना पड़ रहा है।वह लोग अचानक सक्रिय हो उठे हैं जिनके लिए चुनाव किसी अवसर से कम नही होता,हर चौराहे चाय पान की दुकान पर कुछ ऐसे लोग आपको मिल ही जायेंगें जिनकी जेब में 100–50 वोट हमेशा पड़े रहते हैं।दावेदारों को यह ऐसा भरोसा दिलाते हैं कि जैसे इनके संपर्क के सारे लोग प्रत्याशियों के चयन मे अनिभिज्ञ हैं लेकिन दावा इतनी मजबूती के साथ करेगें कि इन्हें न समझने वाले लोग बिना देर किए भरोसा कर ले वैसे स्थानीय चुनाव होने के कारण दावेदार भी ऐसे लोगों के हालात से अच्छी तरह वाकिफ हो गए हैं शाम के समय ऐसे लोग का जमावड़ा हर वार्ड में देखने को आसानी से मिल सकता है जोड़ तोड़ जाति धर्म के साथ अवसर को भुनाने वाले भी कोई मौका हाथ से जाने नही देना चाहते। फिलहाल मुकाबले को रोमांचक बनाने के लिए सभी ने अभियान तेज कर दिया है सपा उम्मीदवार का पर्चा खारिज हो जाने से अब मुकाबला भाजपा व निर्दलीय प्रत्याशियों के बीच मानी जा रही है।

मनीराम तिवारी बने प्रधानाचार्य परिषद के अध्यक्ष

■ अशोक पाण्डेय कार्यकारी अध्यक्ष, राजेश कुमार सिंह नामित किए गए मंत्री

■ प्रधानाचार्य परिषद की बैठक एमपीपी इण्टर कालेज बलरामपुर में आयोजित, नवीन कार्यकारिणी का हुआ गठन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। केन्द्रीय नेतृत्व के निर्देशन एवं उनकी निगरानी में एमपीपी इण्टर कालेज बलरामपुर के सभागार प्रधानाचार्य परिषद् की जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें डा मनीराम तिवारी को अध्यक्ष, अशोक कुमार पाण्डेय कार्यकारी अध्यक्ष, राजेश कुमार सिंह मंत्री, हरि प्रकाश वर्मा उपमंत्री, राकेश प्रताप सिंह, रेखा देवी, रीता चौधरी को उपाध्यक्ष, कुमेश कुमार सरोज कोषाध्यक्ष, राधेश्याम पाण्डेय संयुक्त मंत्री, चन्द्र प्रकाश मिश्र आय व्यय निरीक्षक, मारुफ खान संगठन मंत्री, साधना पाण्डेय प्रवक्ता को मनोनीत किया गया। अबुल हाशिम खान एवं गुरु प्रसाद तिवारी को संरक्षक बनाया गया। इस दौरान प्रान्तीय संरक्षक श्री निवास शुक्ल ने कहा कि जनपद के समस्त नवनियुक्त पदाधिकारी समय–समय पर बैठक आयोजित करके जनपद की विभिन्न समस्याओं का निराकरण कराएं। साथ ही प्रान्तीय कार्यकारिणी को भी अवगत कराएं। जनपद में संगठन को मजबूत बनाना सभी की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम को प्रान्तीय न्यास समिति के अध्यक्ष श्रीनाथ शुक्ल, प्रदेश महामंत्री डा रवीन्द्र त्रिपाठी, संरक्षक तेज प्रताप सिंह, मण्डल अध्यक्ष भूदेश्वर पाण्डेय, सेवानिवृत प्रधानाचार्य अरुण प्रकाश पाण्डेय ने भी सम्बोधित किया।

नवनियुक्त जिलाध्यक्ष डा मनीराम तिवारी, कार्यकारी अध्यक्ष अशोक कुमार पाण्डेय, मंत्री राजेश कुमार सिंह ने केन्द्रीय नेतृत्व को आश्वासन दिया कि जनपदीय कार्यकारिणी शिक्षक व समाज हित में कार्य करते हुए संगठन को मजबूत करने का कार्य करेगी। एमपीपी इण्टर कालेज के प्रधानाचार्य एवं आयोजक राकेश प्रताप सिंह ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य अम्बरीष पाण्डेय , सुधाधार पाण्डेय सहित अन्य प्रधानाचार्य मौजूद रहे।

कार्यालय : ग्राम पंचायत–महादेवा
विकास खण्ड–बनकटी ,जनपद–बस्ती

–:अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना:–

वर्ष 2023–24 के लिए मनरेगा योजना/राज्य वित्त/चौदहवां/पन्द्रहवां वित्त/पिछड़ क्षेत्र अनुदान निधि/पंचमराज्यवित्त,पंचायत भवन/अन्तेय स्थल/विधायक निधि,सांसद निधि,गोवंश आश्रय केन्द्र व अन्य योजनान्तर्गत स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों की सामग्री जैसे प्रथम श्रेणी,ईंट की गिट्टी, मोरंग बालू ,सादा बालू, सीमेंट ,सीमेंट ईट ,सरिया, हयूम पाइप,विद्युत के समान ,सफाई सामग्री ,पैंट ,टाइल्स, साइन बोर्ड इत्यादि के इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा द्वारा दिनांकः 24.04.2023 को अपराह्न 02.00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर प्रस्तुत करें। निविदा दिनांक 29.04.2023 को अपराह्न 03.00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र दिनांकः 24.04.2023 तक किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय **महादेवा** में नियमानुसार निविदा मूल्य अदा कर प्राप्त की जा सकती है तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहर की राशि मु. 5000 (पांच हजार) रुपये होगी। **नियम व शर्त :–**1. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्ससंलग्न करना होगा।3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्ड़र खोला जायेगा।4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थलपर करनी होगी।5. जो दरें प्रस्तुत की जाय वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़ध्कर प्रस्तुत की जाये।6.सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत तथा ग्राम प्रधान के आदेशपर ही की जायेगी।7.सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है,आपूर्तिकर्ता को २.२४प्रतिशत आयकर देना होगा।8. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधानॉ सचिवॉ सदस्यॉ बी.ड़ी.सी./जिला पंचायत तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 9. प्रस्तुत दरें पी.ड़ब्लू.ड़ी. द्वारा पंजीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा।10.निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा। 11. धरोहर की धनराशि नकद राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफड़ी एवं एनएससी/ड़ाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **महादेवा** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है। 12.आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी।13.निविदा फार्म ग्राम पंचायत **महादेवा** कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 500/–रूपये पर ही स्वीकार किया जायेगा। 14.सामग्री की आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्तें व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत **महादेवा** के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान	सचिव
ओम प्रकास सिंह	**राम प्रकाश**
ग्राम पं0–महादेवा	ग्राम पंचायत–महादेवा
वि0 खंड–बनकटी	वि0 खंड–बनकटी
जनपद–बस्ती	जनपद–बस्ती

कार्यालय : ग्राम पंचायत–चौरई प्रथम
विकास खण्ड–उसका बाजार
जनपद–सिद्धार्थनगर

–:अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना:–

वर्ष 2023–24 के लिए मनरेगा योजना/राज्य वित्त/चौदहवां/पन्द्रहवां वित्त/पिछड़ क्षेत्र अनुदान निधि/पंचमराज्यवित्त,पंचायत भवन/अन्तेय स्थल/विधायक निधि,सांसद निधि,गोवंश आश्रय केन्द्र व अन्य योजनान्तर्गत स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों की सामग्री जैसे प्रथम श्रेणी,ईंट की गिट्टी, मोरंग बालू ,सादा बालू, सीमेंट ,सीमेंट ईट ,सरिया, हयूम पाइप,विद्युत के समान ,सफाई सामग्री ,पैंट ,टाइल्स, साइन बोर्ड इत्यादि के इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा द्वारा दिनांकः 08.05.2023 को अपराह्न 11.00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर प्रस्तुत करें। निविदा दिनांक 08.05.2023 को अपराह्न 02.00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र दिनांकः 08.05.2023 तक किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय **चौरई प्रथम** में नियमानुसार निविदा मूल्य अदा कर प्राप्त की जा सकती है तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहर की राशि मु. 5000 (पांच हजार) रुपये होगी। **नियम व शर्त :–**1. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्ससंलग्न करना होगा।3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्ड़र खोला जायेगा।4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थलपर करनी होगी।5. जो दरें प्रस्तुत की जाय वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़ध्कर प्रस्तुत की जाये।6.सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत तथा ग्राम प्रधान के आदेशपर ही की जायेगी।7.सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है,आपूर्तिकर्ता को २.२४प्रतिशत आयकर देना होगा।8. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधानॉ सचिवॉ सदस्यॉ बी.ड़ी.सी./जिला पंचायत तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 9. प्रस्तुत दरें पी.ड़ब्लू.ड़ी. द्वारा पंजीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा।10.निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा। 11. धरोहर की धनराशि नकद राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफड़ी एवं एनएससी/ड़ाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **चौरई प्रथम** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है। 12.आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी।13.निविदा फार्म ग्राम पंचायत **चौरई प्रथम** कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 500/–रूपये पर ही स्वीकार किया जायेगा। 14.सामग्री की आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्तें व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत **चौरई प्रथम** के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान	सचिव
सिंहरावती	**सदानंदन यादव**
ग्राम पं0–चौरई प्रथम	ग्राम पंचायत–चौरई प्रथम
वि0 खंड–उसका बाजार	वि0 खंड–उसका बाजार
जनपद–सिद्धार्थनगर	जनपद–सिद्धार्थनगर

पैसा निकलने के बाद भी अधूरा पड़ा सामुदायिक शौचालय, जिम्मेदार बने अंजान

पंकज चौबे/
दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। प्रदेश के मुख्यमंत्री जहां एक ओर भ्रष्टाचार मुक्त प्रदेश बनाने की बात कहते है तो वही उनके ही अधिकारी कर्मचारी अपनी खाऊ कमाऊ आदत्त में व्यस्त हैं। जिम्मेदार अधिकारियों की शह पर ग्राम पंचायतों जनप्रतिनिधियों के द्वारा सरकार की विभिन्न योजनाओं में जमकर गोलमाल किया जा रहा है। ठीक ऐसा मामला यहां जनपद सिद्धार्थनगर विकास खण्ड बढ़नी की ग्राम पंचायत पड़रिया का प्रकाश में आया है। जहां प्रधानमंत्री गरीब कल्याण रोजगार योजना के अंतर्गत निर्मित सामुदायिक शौचालय निर्माण के पैसे निकलने के बाद भी अधूरा पड़ा है। प्रदेश सरकार द्वारा बीते वर्ष ग्रामीण क्षेत्रों की लगभग सभी ग्राम पंचायतों में एक सामुदायिक शौचालय का निर्माण कराया गया

था। जिसका पूर्ण भुगतान भी शासन द्वारा किया जा चुका हैं। यहां बढ़नी ब्लॉक की ग्राम पंचायत पडरया में पैसा निकलने के बाद भी ग्राम प्रधान द्वारा शौचालय का निर्माण कार्य नही कराया गया। वही सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक उक्त ग्राम पंचायत पडरिया के सामुदायिक शौचालय निर्माण का पैसा ग्राम प्रधान व ग्राम विकास अधिकारी (सेक्रेटरी के द्वारा) आपस मे बंदर बाट कर लिया गया है। जिसके कारण शौचालय का निर्माण पूर्ण रूप से नही हुआ है। शौचालय में जो गेट लगा था वह टूटने लगा है, शौचालय का गड्ढा,टैंक, पानी सप्लाई प्लास्टर आदि कार्य अभी अधूरा पड़ा है।

जीवन में श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण अवश्य करना चाहिएः स्वामी आलोकानन्द

दैनिक बुद्ध का सन्देश
डुमरियागंज,सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज भवानीगंज थाना क्षेत्र के बायताल गांव में चल रहे श्रीमद् भागवत कथा के दौरान गुरूवार की रात कथा वाचक स्वामी आलोकानन्द जी महराज ने कहा कि श्रीमद्भागवत इस सृष्टि की बहुत बड़ी धरोहर है। भागवत हमारे अन्तर्मन की दृष्टि को उज्ज्वल बनाती है। भागवत सृष्टि के परम सत्य का ज्ञान कराती है। जीवन में मनुष्य को एक बार

श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण अवश्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि परमात्मा ही परम सत्य है। परमात्मा के अन्दर अनन्त गुण है। परमात्मा ने अपने सगुण भाव से भागवत को प्रकट किया। हमारे धर्म में जितने शास्त्र हैं वो कल्प वृक्ष हैं। लेकिन इनका पका हुआ फल भागवत है। भागवत को गहराई से पकड़ें। जब तक शरीर में चेतना रहे, तब तक इस दिव्य भागवत का निरन्तर पान करते रहें। भागवत रस को बार–बार पीते रहें।उन्होंने कहा कि समय किसी के वश में नहीं होता। यह संसार हर पल बदलता रहता है। वस्तुएं स्थितियां प्रति क्षण बदलती रहती है। इसलिए अपना समय अच्छे कामों में लगाएं। धन, समाज में प्रतिष्ठा, पद और अधिकार हों। लेकिन इनमें सबसे अधिक भगवान के प्रति समर्पण का भाव हो। इस दौरान संतू अग्रहरि, धर्मराज, राम कुमार, भोला, शिवपूजन, शिवम, नीलेश, सत्यम, शनि आदि लोग मौजूद रहे।

राकेश दत्त त्रिपाठी ने किया समर्थकों के साथ नामांकन

निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में किया नामांकन, सैकड़ों समर्थक रहे शामिल

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। नगर निकाय चुनाव के नामांकन प्रक्रिया के अंतर्गत पांचवें दिन शुक्रवार को सदर नगर पालिका से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में राकेश दत्त त्रिपाठी द्वारा एक सेट में नामांकन पत्र दाखिल किया गया है। इस दौरान सड़क पर खड़े सैकड़ों समर्थक नारेबाजी करते रहे। सैकड़ों समर्थकों के साथ निर्दलीय प्रत्याशी के रूप नारेबाजी करते हुए शुक्रवार की दोपहर 2 बजे राकेश दत्त त्रिपाठी सदर तहसील में बनाये गए नामांकन कक्ष में नामांकन करने पहुंचे। जहां उन्होंने अपने अधिवक्ता गोपाल त्रिपाठी व प्रस्तावक दिनेश कुमार सहित समर्थक के साथ उप निर्वाचन अधिकारी उपजिलाधिकारी डॉ. ललित कुमार मिश्रा के समक्ष एक सेट में अपना नामांकन पत्र प्रस्तुत किया। जिसके बाद उप निर्वाचनध्उपजिलाधिकारी द्वारा नामांकन पत्र में लगे सभी प्रपत्रों को जांच कर उसे जमा कर लिया गया। उनके समर्थकों में प्रधान गोपी त्रिपाठी, प्रधान पंकज मिश्रा, पूर्व प्रधान अवध राम, पूर्व सूरज पाण्डेय, पूर्व प्रधान जयंत पांडेय, विक्की रस्तोगी, विक्की शर्मा, छात्र नेता राजू पांडे, नवीन चौबे, स्वामित्व कुमार, अंकुर दुबे, बिपुल शुक्ला, सूरज दूबे, विपिन मिश्रा, आदित्य पान्डे, दिनेश कन्नौजिया, अशोक कनौजिया, मणिकांत त्रिपाठी सहित सैकड़ों लोग शामिल रहे।

सीओ ने किया बूथों का निरीक्षण व धार्मिक स्थलों का भ्रमण

दैनिक बुद्ध का संदेश
उसका बाजार,सिद्धार्थनगर। ईद पर्व व नगर निकाय चुनाव

को लेकर प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट है। शुक्रवार को सदर क्षेत्राधिकारी अखिलेश वर्मा व एसओ दिनेश कुमार सरोज ने पुलिस बल के साथ ईद पर्व को लेकर मस्जिद, ईदगाह का भ्रमण और कस्बा के रानीगंज, उसका राजा और पकड़ी बूथों का निरीक्षण किया है। सीओ ने पुलिस को कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए है। सीओ अखिलेश वर्मा ने बताया कि नगर निकाय चुनाव में किसी भी तरह से लापरवाही नहीं बरती जाएगी। चुनाव को लेकर पुलिस पूरी तरह से अलर्ट है। मतदान के दिन महिला और पुरुष का बैरिकेटिंग की जाएगी जिससे लोगो को असुविधा न हो सभी लोग आपसी प्रेम सौहार्द से पर्व मनाए।

हमारी विरासत ही हमारी पहचान : डॉ. रूप कुमार बनर्जी

गोरखपुर। दीप्तिमान संस्कृति फाउंडेशन फॉर आर्ट कल्चर एन्ड हेरिटेज द्वारा विश्व विरासत दिवस के अवसर पर दो दिवसीय धरोहर कला प्रदर्शनी एवं कार्यशाला के दूसरे दिन समापन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि प्रसिद्ध होमियोपैथी चिकित्सक और समाजसेवी डॉ. रूप कुमार बनर्जी ने कहा कि विरासतें हमारी पहचान हैं। इनमें हमारी खूबसूरत यादें बसतीं हैं। बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित संस्कृतिकर्मी डॉ. राजेश चंद्र गुप्त विक्रमी ने कहा कि भारतीय संस्कृति की वास्तविक पहचान ही विरासतों के संरक्षण से है। हमारे हर रीति रिवाज में हमारी विरासतों की खूबसूरत बानगी देखने को मिलती है। इस अवसर पर बतौर विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ रंगकर्मी श्रीनारायण पांडेय, एसएम नूरुद्दीन व तृप्ति श्रीवास्तव ने भी अपने विचार रखे। उन्होंने विरासत के संरक्षण के लिए फाउंडेशन द्वारा किये जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए आगे भी इसी प्रकार के कार्यक्रम करते रहने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम में अतिथियों को फाउंडेशन के मुख्य ट्रस्टी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव व ट्रस्टी ऋतु ने सम्मानित किया। आभार ज्ञापन आयोजक रीता श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम का संचालन शुभेन्द्र सत्यदेव ने किया। इस अवसर पर शैवाल शंकर श्रीवास्तव, डॉ. प्रियंका श्रीवास्तव, डॉ. प्रदीप कुमार जाजोरिया, दिवाकर चतुर्वेदी, अंजनी सिन्हा, विश्वमोहन तिवारी सहित बड़ी संख्या में कलाप्रेमी गणमान्यजन उपस्थित रहे।

एमएलसी ने आरटीओ के खिलाफ दी विशेषाधिकार हनन की सूचना

दैनिक बुद्ध का संदेश
उसका बाजार,सिद्धार्थनगर। एमएलसी ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने सिद्धार्थ नगर के एआरटीओ कार्यालय में मनमानी व भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। इस सम्बन्धित उन्होंने सभापति विधान परिषद उप्र को नियम –223 के अंतर्गत विशेषाधिकार हनन की सूचना देकर कारवाही की मांग की है। एमएलसी ने सभापति को सम्बोधित शिकायती पत्र में लिखा है कि वह गोरखपुर फैजाबाद शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से 2008 से लगातार विधान परिषद का सदस्य निर्वाचित है। वर्तमान में विधान परिषद में शिक्षक दल के नेता के रूप में सदन में कार्य कर रहे है। एआरटीओ सिद्धार्थ नगर के संस्तुति पर डीएम के नाम के मुहर से हस्ताक्षरित थाना उसका बाजार के पुलिस द्वारा उनकी गाड़ी यूपी 55 एके 4242 इनोवा नगरीय निकाय निर्वाचन हेतु अधिग्रहण की नोटिस उन्हें प्रदान किया

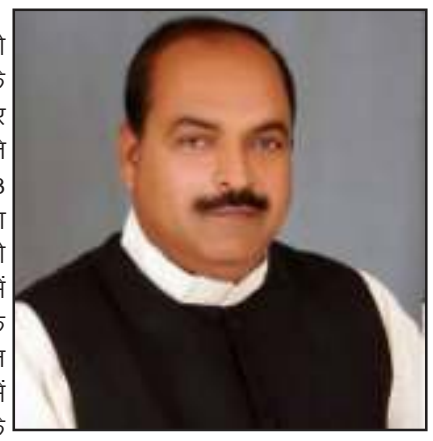

गया है।जबकि एमएलसी द्वारा इसी गाड़ी का उपयोग 17 जनपद के निर्वाचन क्षेत्र में भ्रमण तथा विधायी कार्य हेतु समय से उपस्थित हेतु किया जाता है। डीएम को गुमराह कर एआरटीओ सिद्धार्थ नगर द्वारा एमएलसी की एक मात्र गाड़ी को अधिग्रहित कर लेना उनकी छवि को धूमिल कर अपमानित करने का मानो अभियान चलाया जा रहा है। एमएलसी द्वारा एआरटीओ कार्यालय में 16000 रुपये अधिक जमकर वीआईपी नम्बर लिया गया था जबकि एआरटीओ द्वारा इस नम्बर को ट्रक का नम्बर कार्यालय में शो होंना बताया जा रहा है। यह कृत्य वीआईपी नम्बर होने पर भी प्रश्नचिन्ह लगा रहा है। एआरटीओ का यह बयान हल्का व अशोभनीय है। एमएलसी के गाड़ी के वीआईपी नम्बर को ट्रक का नम्बर कहा जाना निश्चित रूप से एमएलसी के विशेषाधिकार का हनन है। इससे उन्हें मानसिक पीड़ा के साथ उनकी छवि भी धूमिल किया गया है। एमएलसी ने सभापति विधान परिषद उप्र को सूचना देकर एआरटीओ सिद्धार्थ नगर को विशेषाधिकार के हनन के अंतर्गत दंडित करने की मांग की है।

बड़हलगंज से खत्म होगा बीस साल का सूखाः कमलेश पासवान

बड़हलगंज। यह दशक समय मोदी योगी जी के विकास वाला दशक है। इस समय पूरे विश्व में मोदी और योगी जी की चर्चा हो

रही है। इसी विकास परख सोच के साथ नगर निकाय चुनाव में भी भाजपा भारी मतों से जीत कर ट्रिपल इंजन की सरकार बनायेगी और बड़हलगंज से भाजपा का बीस साल का सूखा खत्म होगा। उक्त बातें भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी प्रीति उमर के बड़हलगंज नगर पंचायत के चुनाव कार्यालय का उद्घाटन करते हुए सांसद कमलेश पासवान ने उपस्थित जनमानस को संबोधित करते हुए कही। श्री पासवान ने कहा कि जब तक ट्रिपल इंजन की सरकार नहीं होगी, नगर का समुचित विकास नहीं हो पाएगा। बड़हलगंज नगर में बीस वर्षो से भाजपा का कोई चेयरमैन बन नही पाया और इस कारण आज भी बड़हलगंज नगर विकास की दृष्टि से काफी पीछे है। लेकिन अब जनता को मौका है, और यह मौका नहीं खोना है। चिल्लूपार विधायक राजेश त्रिपाठी ने कहा कि पूरे विश्व में मोदी जी विकास का डंका बजा रहे हैं, योगी जी के काम से अपराधी डर डर कांप रहें है, उनके कार्यों और समुचित सोच से आज विभिन्न महानगर और नगर पंचायत तेजी से आगे बढ़ रहें है, लेकिन बड़हलगंज बीस वर्षों से विकास का सूखा झेल रहा है, अन्य पार्टियों के चेयरमैन सिर्फ जनता का वोट लेकर अपना पेट भरते आए है, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा, नगर में ट्रिपल इंजन की जब सरकार होगी तो बड़हलगंज जिला स्तर पर एक नया मुकाम हासिल करेगा। जिला अध्यक्ष युधिष्ठिर सिंह ने कहा कि योगी जी के विकास से आज समूचा यूपी आगे बढ़ रहा है, ऐसे में बड़हलगंज नगर पंचायत पीछे नहीं रहे, इसलिए नगर में ट्रिपल इंजन की सरकार जरूरी है। प्रत्याशी प्रीति उमर ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। इस दौरान जिला मंत्री स्वतंत्र सिंह, संयोजक राजीव पांडेय, मंडल अध्यक्ष अखंड शाही, महेश उमर, धर्मराज निषाद, श्रीकांत सोनी, गंगा सोनी, डा अश्वनी वर्मा, श्रीभागवत यादव, यशपाल यादव, रमेश शाही, विजय माली सहित सभी वार्डो के प्रत्याशी सहित अन्य लोग मौजूद रहें। **भाजपा में शामिल हुए बसपा नेता प्रदीपः** चुनाव कार्यालय के उद्घाटन के दौरान बसपा के पूर्व विधासभा उपाध्यक्ष और कोराड़ी के प्रधान रहें प्रदीप सिंह ने अपने समर्थकों के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण किया। उन्हे जिलाध्यक्ष युधिष्ठिर सिंह, सांसद कमलेश पासवान और विधायक राजेश त्रिपाठी ने उन्हें भाजपा का चिन्ह पटाका और माला पहना कर उनको सदस्यता दिलाई।

नौ फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा बनारस–मुम्बई सेण्ट्रल ग्रीष्मकालीन विशेश गाड़ी का संचलन

गोरखपुर। रेल प्रशासन द्वारा ग्रीष्मकाल पर यात्रियों की होने वाली अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए 09183/09184 मुम्बई सेण्ट्रल –बनारस–मुम्बई सेण्ट्रल ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी का संचलन 03, 10, 17, 24, 31 मई तथा 07, 14, 21 एवं 28 जून, 2023 दिन प्रत्येक बुधवार को मुम्बई सेण्ट्रल से तथा 05, 12, 19, 26 मई तथा 02, 09, 16, 23 एवं 30 जून, 2023 दिन प्रत्येक शुक्रवार को बनारस से 09 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। इसमें यात्रा करने वाले यात्रियों को कोविड–19 के सम्बन्ध में समय– समय पर जारी सभी मानकों का पालन करना होगा। 09183 मुम्बई सेण्ट्रल–बनारस ग्रीष्मकालीन विषेष गाड़ी 03, 10, 17, 24, 31 मई तथा 07, 14, 21 एवं 28 जून, 2023 दिन प्रत्येक बुधवार को मुम्बई सेण्ट्रल से 22.50 बजे प्रस्थान कर बोरीवली से 23.28 बजे, दूसरे दिन वापी से 01.05 बजे, सूरत से 03.29 बजे, वड़ोदरा से 05.15 बजे, रतलाम से 08.50 बजे, कोटा से 12.20 बजे, सवाई माधोपुर से 13.40 बजे, गंगापुर सिटी से 14. 33 बजे, भरतपुर से 16.42 बजे, अछनेरा से 17.05 बजे, आगरा फोर्ट से 17.50 बजे, टुण्डला से 19.25 बजे, षिकोहाबाद से 20.17 बजे, मैनपुरी से 21.07 बजे, भोगाँव से 21.27 बजे, फर्रूखाबाद से 23.15 बजे, तीसरे दिन कन्नौज से 00.15 बजे, कानपुर सेण्ट्रल से 02.25 बजे, लखनऊ से 04. 25 बजे, राय बरेली जं0 से 05.55 बजे, अमेठी से 06.52 बजे, प्रतापगढ़ से 07.35 बजे, जंघई से 08.32 बजे तथा भदोही से 09.02 बजे छूटकर बनारस 10.30 बजे पहुंचेगी। 09184 बनारस–मुम्बई सेण्ट्रल ग्रीष्मकालीन विषेष गाड़ी 05, 12, 19, 26 मई तथा 02, 09, 16, 23 एवं 30 जून, 2023 दिन प्रत्येक षुक्रवार को बनारस से 14.30 बजे प्रस्थान कर भदोही से 15.17 बजे, जंघई से 15. 44 बजे, प्रतापगढ़ से 17.15 बजे, अमेठी से 17.48 बजे, राय बरेली से 18.45 बजे, लखनऊ से 21.25 बजे, कानपुर सेण्ट्रल से 22.20 बजे, दूसरे दिन कन्नौज से 01.00 बजे, फर्रूखाबाद से 03.00 बजे, भोगाँव से 03.50 बजे, मैनपुरी से 04.12 बजे, षिकोहाबाद से 05.12 बजे, टुण्डला से 06.52 बजे, आगरा फोर्ट से 07.40 बजे, अछनेरा से 09. 00 बजे, भरतपुर से 10.02 बजे, गंगापुर सिटी से 11.30 बजे, सवाई माधोपुर से 12.20 बजे, कोटा से 13. 50 बजे, रतलाम से 17.55 बजे, वड़ोदरा से 21.54 बजे, सूरत से 23. 44 बजे, तीसरे दिन वापी से 01.10 बजे तथा बोरीवली से 03.39 बजे छूटकर मुम्बई सेण्ट्रल 04.35 बजे पहुंचेगी । इस गाड़ी में मुम्बई सेण्ट्रल से 03 से 31 मई,2023 तक प्रत्येक बुधवार को एवं बनारस से 05 मई से 02 जुलाई,2023 तक प्रत्येक षुक्रवार को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी का 01, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 03, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 08, वातानुकूलित तृतीय इकोनामी के 02, एल.एस.एल.आर.डी. का 01 तथा जनरेटर सह लगेज यान के कोच लगाये जायेगे तथा मुम्बई सेण्ट्रल से 07 से 28 जून, 2023 तक प्रत्येक बुधवार को एवं बनारस से 09 से 30 जून,2023 तक प्रत्येक षुक्रवार को जनरेटर सह लगेजयान का 01, वातानुकूलित प्रथम श्रेणी का 01, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 03, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 06, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी इकोनामी के 04 तथा एल.एस.एल.आर.डी. के 01 कोच लगाये जायेंगे।

अज्ञात 50 वर्षीय व्यक्ति का मिला शव

दैनिक बुद्ध का संदेश
उसका बाजार,सिद्धार्थनगर। थाना क्षेत्र उसका बाजार के ग्राम पंचायत अमरिया गांव में देर शाम शुक्रवार को एक 50 वर्षीय व्यक्ति का शव मिला है। शव मिलने से गांव में भय का माहौल बना है। जानकारी के अनुसार पिछले पंद्रह दिनों से गांव में घूमता रहता था मृतक व्यक्ति का पहनावा भी बहुत अलग पहनता है। ग्रामीणों ने जब मृतक अवस्था में देखा तो तत्काल पुलिस को सूचना दी जिसके बाद पुलिस पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्यवाही में जुट गई। थाना अध्यक्ष दिनेश कुमार सरोज ने बताया कि अज्ञात व्यक्ति की शव की सूचना मिली जिसके बाद वहा पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर मृतक व्यक्ति की पहचान कर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

सम्पादकीय

गोस्वामी तुलसीदास को परतंत्रता स्वीकार नहीं था

गौरतलब है कि पानीपत के मैदान में जब एक विदेशी आक्रांता बाबर ने भारत में स्थापित सत्ता को पानीपत के मैदान में पराजित किया था उस समय गोस्वामी तुलसीदास जी की उम्र महज 15 वर्ष थी। गोस्वामी तुलसीदास जी के उस किशोर मन पर इसका क्या प्रभाव पड़ा होगा आप सहज ही अनुमान लगा सकते हैं। अतः ....

कत बिधि सृजी नारि जग माहींध पराधीन सपनेहुं सुख नाहीं। इन पंक्तियों को रचकर गोस्वामी जी स्त्री स्वातंर्त्य की परिकल्पना को साकार करते हैं। दरअसल गोस्वामी तुलसीदास जी मध्यकाल के ऐसे कवि हैं जिन्हें किसी मतवाद की किसी दीवारों में कैद नहीं किया जा सकता। वे स्वतंत्र रूप से विभिन्न प्रकार के मतवाद को समेकित करने वाले महाकवि हैं। आजादी उनका मूल उत्स है। दरअसल गोस्वामी तुलसीदास जी परतंत्रता के विरुद्ध स्वातंर्त्य मनोवृत्ति के उन्नायक कवि हैं। ऐसे कवि जहां संस्कृत भाषा और अवधी हिन्दी दोनों एक साथ इस अभियान में तराशी जाती है। श्री रामचरित मानस में संस्कृत भाषा की उन्नत परंपरा जहां विराम लेती है वहीं से हिन्दी प्रारंभ होती है, वह भी लोक भाषा अवधी के आवरण में लिपटी हुई। ध्यातव्य है कि जिस समय गोस्वामी जी संस्कृत और अवधी जनित हिन्दी का रासायनिक सम्मिश्रण तैयार कर भगवान श्रीराम की कथा को लोकभाषा में बिद्ध कर अपने स्वंत्रतता के सांस्कृतिक अभियान में थे ठीक उसी समय 16 वी शताब्दी में संस्कृत काव्यशास्त्र में पंडित राज जगन्नाथ रस गंगाधर रच कर काव्य शास्त्र की नवीन उद्भावन का प्रणयन कर रहे थे। एक तरफ संस्कृत काव्यशास्त करवट बदल रहा था तो दूसरी तरफ अवधी बोली का फलक राष्ट्रीय चरित्र अख्तियार कर रहा था। जहां अवधी भाषा मुक्ति के अभियान में तराशी जा रही थी। गोस्वामी तुलसीदास उसके प्रयोगकर्त्ता और प्रणेता बने। अवधी बोली के मिठास में राम कथा की व्याप्ति जन जागरण की सांस्कृतिक अस्मिता की उन्नायक बनी। भारतीयों ने पहली बार गोस्वामी तुलसीदास के नेतृत्व में परतंत्रता के विरुद्ध प्रतिबद्ध आंदोलन चलाया। जब वे कहते हैं कि कत बिधी सृजी नारि जग माहींध्पराधीन सपनेहुं सुख नाहीं। आप दूसरी पंक्ति देखिए कि पराधीन सपनेहुँ सुख नाहीं। सवाल यह है कि कौन परतंत्र था। निश्चित रूप से तत्कालीन भारतीय जनता विदेशी सत्ता के धर्मांतरण कानून से अभिशप्त थी। आप देखिए तो राम नाम के भरोसे गोस्वामी तुलसीदास जी ने परंत्रता के विरुद्ध सनातन की एकत्रीकरण का पहला अभियान चलाया। गौरतलब है कि पानीपत के मैदान में जब एक विदेशी आक्रांता बाबर ने भारत में स्थापित सत्ता को पानीपत के मैदान में पराजित किया था उस समय गोस्वामी तुलसीदास जी की उम्र महज 15 वर्ष थी। गोस्वामी तुलसीदास जी के उस किशोर मन पर इसका क्या प्रभाव पड़ा होगा आप सहज ही अनुमान लगा सकते हैं। अतः उन्होंने भारत को मुक्त कराने का संकल्प लिया होगा और इस कार्य के सम्यक निष्पादन के लिए भगवान श्री राम चंद्र जी के नाम का सहारा लिया होगा।

लेखक विनय कांत मिश्र/दैनिक बुघ्द्ध का संदेश

सनातन गृहस्थ जीवन के समन्वय सेतु हैं भगवान श्री परशुराम

भृगुदेवं कुलं भानुं, सहस्र बाहुमर्दनम।
रेणुका नयनानंद, परशुं वन्दे विप्रधनम् ।।

अद्यतन समीचीन परिस्थिति में बहुधा प्रासंगिक, सनातन धर्म ध्वज, महासमर के

प्रणेता कालकम भगवान भृगुराम परशुराम ! परशु प्रतीक है पराक्रम का। राम पर्याय हैं सत्य सनातन का इस प्रकार परशुराम अर्थात पराक्रम के कारक और सत्य के धारक । शास्त्रोक्त मान्यतानुसार भगवान श्रीहरि विष्णु के छठे अवतार है श्री परशुराम जी परन्तु मौलिक व्याख्या में श्परशुश् में श्भगवान शिव समाहित हैं और राम में विष्णु द्य इसलिये अवतार भले ही विष्णु के हो किन्तु व्यवहार में समन्वित स्वरूप शिव और विष्णु के ही हैं इसलिये यथार्थ स्वरूप में परशुराम जी ष्शिव– हरिष् ही हैं और सृष्टि का अनादि स्वरूप भी यही है। त्रेता में भगवान परशुराम में जगद्गुरु कृष्ण की ही झाँकी दिखाई पड़ती है जो श्शठे शाठ्यं समाचरेतश् उक्ति को चरितार्थ करती है। और इसी कारण कलिकाल में चिरंजीवी परशुराम जी अपेक्षाकृत अधिक प्रासंगिक है। भगवान परशुराम को लेकर पूर्वाग्रह से ग्रसित इतिहासकारों एवं रचनाकारों ने उन्हें वर्ग विशेष का देव घोषित कर दिया । ऐसी कुंठित मानसिकता को त्यागकर परशुराम जी के आदर्शों पर चल कर ही राष्ट्र को पुनः विश्व गुरु बनाया जाना संभव है। एक वाक्य में भगवान परशुराम शस्त्र और शास्त्र के समन्वय है शस्त्र अर्थात संहार और शास्त्र अर्थात पोषण के अधिष्ठाता देव जिनका मूलमंत्र हैष् संतुलनष्। अक्षय तृतीया को जन्मे भगवन की शस्त्रशक्ति भी अक्षय है और शास्त्र संपदा भी अनंत है। भीष्म, द्रोण, कर्ण के शुरू, महर्षि अत्रि की पत्नी माता अनुसूया ,अगस्त्य ऋषि की पत्नी लोपामुद्रा व अपने प्रिय शिष्य श्अकृतवणश् के साथ विराट नारी जागृति अभियान का संचालन कर भगवान् परशुराम ने सामाजिक सम्बन्धों को महत्व दिया साथ ही शास्त्रों में यह भी उद्धृत है कि जब कलिकाल में श्रीहरि विष्णु काल्कि अवतार धारण करेंगे तब भी परशुराम जीमहाराज ही उन्हें शस्त्र व शास्त्र की शिक्षा देंगे। भारत की प्राचीनतम शारीरिक दक्षता का प्रमाण श्मार्शल आर्टश् के जनक हैं श्री परशुराम। दक्षिण भारत में आज भी उनके श्रीविग्रह के सम्मुख ही ऐसी दक्षताओं का प्रशिक्षण दिया जाता है। सनातन परंपरा में मेरुदण्ड गृहस्थ जीवन के समन्वय सेतु, पितृ भक्त, महर्षि भृगुदेव के पौत्र. महर्षि जमदग्नि एवं माता रेणुका के गर्भ से वैशाख शुक्ल तृतीया को मध्यप्रदेश के इन्दौर जिले के मानपुर गाँव के जानापाव पर्वत पर अवतरित महासमर के रचयिता कालकम भगवान भृगुराम परशुराम के जन्म महोत्सव की समग्र सृष्टि को बधाई ।

जय जय श्री परशुराम!

पं. पतञ्जलि मिश्र/दैनिक बुद्ध का संदेश

22 साल बाद भारत में एपल दुकान!

एपल फोन को भारत में असेम्बल तो किया जायेगा परन्तु जो पुर्जे उसमें इस्तेमाल होंगे उनमें से अधिकांश यहाँ नहीं बनेंगे। इसलिए उत्पादन लगत कम नहीं होगी। पहले की तरह, आईफोन एक बहुत छोटे तबके की पहुँच में ही रहेगा। संभवतरू टिम कुक प्रधानमंत्री मोदी से मिलेंगे और भारत की कुख्यात लालफीताशाही और कस्टम और वीसा से सम्बंधित समस्याओं पर चर्चा करेंगे। मोदीजी भले ही उन्हें ...

श्रुति व्यास

18 अप्रैल को भारत ने जश्न मनाया।नौजवानों, आईटी के लोगों, अमीर और कुलीन सब मुंबई में खुले एपल के पहले स्टोर का श्अनुभवय करने पहुंचे। उमंग, जोश से उमड़ी भीड़ में कुछनौजवान खुशी में भावविह्वल तो कई टिम कुक के साथ सेल्फी खिचवाने की हौड में। खूब वाहवाही और शोर–शराबा। हां,भारत में एपल के पहले स्टोर की शुरूआत देश के लिए एक बड़ी घटना है, गर्व का क्षण है। लेकिन क्या यह वाकई बड़ी घटना है? क्या वाकई देश को गौरवान्वित अनुभव करना चाहिए? क्या यह श्उपलब्धिय चुनाव प्रचार में गिनवाई जाएगी? सच पूछा जाए तो इसमें गर्व करने जैसा कुछ भी नहीं है।सोचे, दुनिया में हमारा दावा है कि चीन के बाद भारत सबसे प्रमुख विकासशील देश है। परन्तु एपल भारत से पहले 25 अन्य देशों में अपने स्टोर खोल चुका है और मुंबई का स्टोर दुनिया में उसका 524वां स्टोर है। अमेरिका में पहला स्टोर कोई 22 साल पहले और चीन में 15 साल पहले (सन् 2008 में बीजिंग में) खुला था। उसके बाद से चीन में 45 और स्टोर खुल चुके हैं। और भारत में दूसरा स्टोर आज दिल्ली में खुलने जा रहा है। चीन एपल का सबसे वफादार और विश्वसनीय भागीदार था। एपल और चीन के दो दशक लम्बे सम्बन्ध दोनों के लिए फायदे का सौदा था। इससे दोनों की प्रगति हुई और दोनों की जेबें भरीं। एपल की आमदनी दिन दूनी–रात चौगुनी बढी, उसके शेयर की कीमत 600 गुना हो गई और कंपनी का बाजार मूल्य 2,400 अरब डालर पर जा पहुँचा। एपल चीन में स्थित अपने कारखानों से सप्लाई करता रहा है। वहा उसके 90 प्रतिशत उत्पाद बनाए जाते हैं। उसकी कमाई का चौथाई हिस्सा चीनी ग्राहकों से आता है। टिम कुक, जो सन् 2011 में कंपनी के सीईओ बनने के पहले उसके हेड ऑफ आपरेशन्स थे, ने कंपनी में कॉन्ट्रैक्ट पर आधारित उत्पादन की शुरुआत की थी। कुक अक्सर चीन जाते थे। उन्होंने वहां की सरकार के साथ मधुर संबंध बनाए और कायम रखे। लेकिन अब समस्या यह है कि पिछले कुछ समय से चीन एक आक्रामक और बेरहम शेर बन गया है, जिसे काबू में रखना मुश्किल होता जा रहा है। इसलिए चीन से नाता तोड़कर भारत और वियतनाम से नाता जोडना रणनीतिक दृष्टि से एपल के लिए जरूरी हो गया था। अमरीका और चीन के बीच बढ़ते तनाव के कारण भी चीन में व्यापार करना मुश्किल होता जा रहा है। इसके अलावा उत्पादन लागत कम करना भी एपल एक लक्ष्य है। पिछले एक दशक में चीन में औसत वेतन दुगना हो गया है। सन् 2020 में उत्पादन इकाईयों में काम करने वाला चीनी महीने में औसतन 530 डालर कमाता था, जो भारत या वियतनाम की तुलना में लगभग दो गुना है। इन सारे कारणों से ही कंपनी ने हाल में अपनी उत्पादन इकाईयां दक्षिण भारत और वियतनाम में लगाई है। फोक्स्कोन नामक एक ताईवानी कंपनी, जो 2017 से एपल का पुराना फोन बना रही थी, को अब सबसे नए मॉडल आईफोन 14 को बनाने का ठेका मिला है। एक अन्य ताईवानी कंपनी पेगाट्रोन का विशाल कारखाना भी एपल के उत्पाद बनाने की तैयारी में है। फिनलैंड की कंपनी सल्कोम्प भी एपल से जुडने जा रही है। जेपी मॉर्गन चेज एंड कंपनी के अनुसार 2025 तक एपल के 25 प्रतिशत उत्पाद चीन से बाहर बनाए जाएंगे। बेशक आप कह सकते हैं कि ये असल कारण नहीं हैं। असल में तो एपल भारत इसलिए आया है क्योंकि यहाँ व्यापार और उत्पादन करना आसान है। आखिर ईज ऑफ डूइंग बिजनेस्च इंडेक्स में भारत 2014 में 142वें स्थान से ऊपर चढ़कर 2019 में 63वें स्थान पर पहुँच गया है। परन्तु क्या सचमुच भारत में बिजनेस करना ईजी है? कम से कम विदेशी कंपनियों के लिए तो ऐसा कतई नहीं है। भारत में उनके साथ निष्पक्ष व्यवहार नहीं होता। इसका एक उदाहरण है वोडाफोन। इस कंपनी ने भारत में 20 अरब डॉलर का व्यापार किया परन्तु उससे पुरानी तारीख से भारी रकम टैक्स के रूप में मांगी गई, ऐसे नियम बनाए गए जो उसके लिए नुकसानदायक थे और हाल में स्पेक्ट्रम के नाम पर वसूली की गई। अमेजन और वालमार्ट ने भारत में 20 अरब डॉलर से भी ज्यादा निवेश किया परन्तु ई–कॉमर्स नियमों में 2019 में ऐसे संशोधन किए गए है जिससे उनके लिए स्टॉक पर अपना स्वामित्व नियंत्रण बनाए रखना मुश्किल हो गया। एक निवेश फर्म मार्सेलस के अनुसार, भारत में कॉर्पोरेट कंपनियों के कुल मुनाफे का 70 प्रतिशत शीर्ष की 20 कंपनियों के हिस्से में जाता है और इनमें से केवल एक विदेशी है। प्रधानमंत्री मोदी यद्यपि विदेशी कंपनियों के साथ व्यावसायिक रिश्ते मजबूत बनाने की बात करते रहे हैं और यह भी कहते रहे हैं कि भारत वैश्विक सप्लाई चेन का हिस्सा बनना चाहता है वहीयमेक इन इंडियाय और श्आत्मनिर्भर भारतय उनकी प्रिय परियोजनाएं हैं। बहरहाल, चलिए, हम भी खुश हो लें कि एपल भारत आया तो। उसी तरह जैसे लुई विटान और शेनेल यहाँ आए थे।विदेशी सामान के स्टोर भले ही खुल गए है परन्तु यदि आपको ऐसा लगता है कि इससे भारत में आईफोन सस्ते हो जाएंगे तो आप भ्रम में हैं। एपल फोन को भारत में असेम्बल तो किया जायेगा परन्तु जो पुर्जे उसमें इस्तेमाल होंगे उनमें से अधिकांश यहाँ नहीं बनेंगे। इसलिए उत्पादन लगत कम नहीं होगी। पहले की तरह, आईफोन एक बहुत छोटे तबके की पहुँच में ही रहेगा। संभवतरू टिम कुक प्रधानमंत्री मोदी से मिलेंगे और भारत की कुख्यात लालफीताशाही और कस्टम और वीसा से सम्बंधित समस्याओं पर चर्चा करेंगे। मोदीजी भले ही उन्हें कुछ भी आश्वासन दें दृ या न दें दृ पर यह तय है कि आपको एपल के उत्पाद दुबई या सिंगापुर से ही हासिल करने होंगें, वहा ये सस्ते मिलते है।

मन की बात देश में सर्वांगीण विकास को लोकप्रिय बनाने का एक बड़ा माध्यम रहा है। श्मन की बातश् हमारे नागरिकों के जीवन को बदलने और एक विकसित राष्ट्र के व्यापक लक्ष्य में योगदान करने के लिए उन्हें एकजुट करने का एक और साधन है। प्रधानमंत्री मानते हैं कि हमारी कला, साहित्य और संस्कृति एक नए भारत की संरचना के स्तंभ हैं। उन्होंने न केवल मन की बात के माध्यम से ...

मन की बातः जनभागीदारी के माध्यम से राष्ट्र निर्माण

न्यायमूर्ति के. जी. बालकृष्णन

भारत ने 15 अगस्त, 2022 को अपनी आजादी के 75 साल पूरे किए। हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमारे राष्ट्र और इसकी समृद्ध सभ्यता को इसके अमृत काल के लिए दृष्टि दी – अगले 25 साल तक विक्रम संवत 2104 (ग्रेगोरियन वर्ष 2047) में अपनी अनमोल स्वतंत्रता की शताब्दी, जो हमारे प्यारे देश भारत के लिए अनंत संभावनाओं और परिवर्तन का काल है। मोदी ने हमारे सभी नागरिकों के लिए वास्तविक रुप से इस उल्लेखनीय पथ को आगे बढ़ाने में अपनी दृष्टि और परिश्रम से हमारे देश के लिए विकास और उपलब्धियों के एक नए युग की शुरुआत की है। प्रधानमंत्री की एक पहल, उनका कार्यक्रम श्मन की बातय है, जो हमारे देश के उत्थान और बेहतर शासन के लिए की गई कई उत्कृष्ट पहलों में से एक है। श्मन की बातय एक अनूठा रेडियो कार्यक्रम है, जिसे विक्रम संवत 2071 (ग्रेगोरियन वर्ष 2014) में शुरू किया गया था, जिसके माध्यम से प्रधानमंत्री ने न केवल उन नागरिकों के साथ सीधा संपर्क स्थापित किया है, जिन तक पहुंचना सबसे कठिन है, बल्कि हमारे देश में समाज के सबसे निचले पायदान पर भी हैं। श्मन की बातय अपने सार में अद्भुत है, क्योंकि यह श्रोता और प्रधानमंत्री के बीच सीधा संबंध बनाता है। किसी को ऐसा लगता है कि उसे बौद्धिक, आध्यात्मिक और व्यक्तिगत स्तर पर उनके शुभचिंतक और मार्गदर्शक के रूप में सीधे प्रधानमंत्री द्वारा संबोधित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने बिना किसी विफलता के राष्ट्र को संबोधित करने की इस प्रथा को स्थापित किया है। एक राष्ट्र के रूप में हमारे सामने कितनी भी चुनौती क्यों न हो, प्रधानमंत्री हमारे देश के एक नेता के रूप में अपनी भूमिका का निर्वहन करने में कभी पीछे नहीं हटे। यह परिवर्तनकारी रेडियो कार्यक्रम जो देश में कई महत्वपूर्ण सामाजिक और सांस्कृतिक जन आंदोलनों का सूत्रधार रहा है, अक्टूबर 2014 में शुरू किया गया था और 30 अप्रैल, 2023 को 100 एपिसोड के मील के पत्थर तक पहुंच रहा है। प्रधानमंत्री ने अमृत काल में पंच प्रण यानी पांच प्रतिज्ञाएं रखी हैं, जो भारत के प्रत्येक नागरिक को भविष्य के भारत की अडिग नींव रखने के लिए लेनी चाहिए। इनमें से प्रत्येक पंच प्रण प्रेरणादायक कार्रवाई और राष्ट्र निर्माण की सुविधा पर केंद्रित है। प्रण में एक विकसित भारत का लक्ष्य, औपनिवेशिक मानसिकता के किसी भी निशान को हटाना, अपनी विरासत का जश्न मनाना, एकता को मजबूत करना और अपने कर्तव्यों पर ध्यान केंद्रित करना शामिल है। पिछले दशक में भारत ने प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के संकल्प के साथ अपने विभिन्न क्षेत्रों में शानदार वृद्धि दर्ज की है। यह इस तथ्य से स्पष्ट है कि कोविड–19 महामारी की अभूतपूर्व चुनौती के दौरान, भारत अपने नागरिकों और विश्व के लाभ के लिए स्वदेशी टीकों का उत्पादन करने में सक्षम था। प्रधानमंत्री ने भारत से महामारी के दौरान मन की बात पर एक आत्मनिर्भर राष्ट्र और एक मजबूत वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने का आग्रह किया। भारत ने अपने सभ्यतागत लक्ष्यों में उत्कृष्टता हासिल करने का संकल्प लिया है, जिसमें सामाजिक स्थिरता, आर्थिक समृद्धि, सांस्कृतिक सुरक्षा और विकास शामिल हैं, जो इसकी जड़ों के समकालीन हैं। प्रधानमंत्री ने अपने श्मन की बातय कार्यक्रम के माध्यम से इस संकल्प की भावना को देश की जनता में प्रभावी ढंग से व्यक्त किया है और प्रकट किया है। प्रधानमंत्री ने देश के नागरिकों को लगातार परिवर्तन के एजेंट बनने और राष्ट्रीय विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित किया है। श्मन की बातय स्टार्ट–अप इंडिया अभियान को बढ़ावा देने, भारत में युवाओं के बीच नवाचार और उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए एक शानदार मंच रहा है। हमारे देश में डिजिटल क्रांति सबसे बड़े पैमाने पर इसी माध्यम से लोकप्रिय हुई है। मन की बात देश में सर्वांगीण विकास को लोकप्रिय बनाने का एक बड़ा माध्यम रहा है। श्मन की बातय हमारे नागरिकों के जीवन को बदलने और एक विकसित राष्ट्र के व्यापक लक्ष्य में योगदान करने के लिए उन्हें एकजुट करने का एक और साधन है। प्रधानमंत्री मानते हैं कि हमारी कला, साहित्य और संस्कृति एक नए भारत की संरचना के स्तंभ हैं। उन्होंने न केवल श्मन की बातय के माध्यम से हमारे समाज की सामूहिक संपत्ति के बारे में आम जनता को सूचित करने के लिए यह जिम्मेदारी ली है, बल्कि कला, साहित्य और सांस्कृतिक विरासत के हमारे स्तंभों को पुनरू प्राप्त करने और पुनर्निर्माण के लिए कई पहल की हैं। प्रधानमंत्री ने देश के सच्चे प्रतिनिधि के रूप में एक वैश्विक नेता की भूमिका निभाने की राष्ट्र की क्षमता में अपना विश्वास दिखाया है। वह अपनी पहल के माध्यम से विश्व मंच पर वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा को बढ़ावा देते हैं। इसने उन नागरिकों पर सकारात्मक प्रभाव डाला है जो भारत को विश्व गुरु बनाने के लक्ष्य की दिशा में काम करने के लिए गौरवान्वित और प्रेरित महसूस करते हैं। प्रधानमंत्री ने देश को अमृत काल का आह्वान करते हुए कहा कि यह हमारी प्रतिभा, संसाधनों और शक्ति के आधार पर उपलब्धियों की यात्रा शुरू करने का सही समय है। उन्होंने सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के मंत्र में सबका प्रयास के आह्वान को जोड़ा और लोगों से आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की यात्रा में अपना योगदान देने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने गांव और शहर के बीच के अंतर को पाटते हुए और राष्ट्र के लिए श्कम सरकार, अधिक शासनय के मंत्र को बढ़ावा देते हुए, समृद्धि की नई ऊंचाइयों को चढने का लक्ष्य निर्धारित करते हुए अमृत काल का मार्ग प्रशस्त किया। यह स्थापित किया गया है कि प्रत्येक भारतीय की भागीदारी, समर्पण और प्रतिबद्धता से निस्संदेह नए भारत का उदय सुनिश्चित किया जा सकता है। और श्मन की बातय जन–भागीदारी के माध्यम से देश की प्रगति को उजागर करते हुए इस दिशा में एक प्रेरक शक्ति बना रहेगा। इसलिए, राष्ट्र को लगातार अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के करीब लाते हुए भारत में राष्ट्रवाद और देशभक्ति की भावना को स्थायी रूप से स्थापित करेगा। यह देखना दिलचस्प होगा कि 30 अप्रैल, 2023 को लाइव होने वाले इस प्रतिष्ठित रेडियो कार्यक्रम का शताब्दी एपिसोड क्या लेकर सामने लाता है। (लेखक भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश हैं)

धोनी का एसआरएच के खिलाफ मुकाबला खेलना मुश्किल, इस खिलाड़ी को सौंपी जा सकती है कप्तानी

चेन्नई सुपर किंग्स के फैन्स के लिए एक बुरी खबर है। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ होने वाले मुकाबले में टीम के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी मुकाबला मिस कर सकते है। इसके पीछे संभावना है कि धोनी अपनी घुटने की इंजरी के कारण मुकाबला मिस कर सकते है। चेन्नई सुपर किंग्स के होम ग्राउंड चेपॉक स्टेडियम में होने वाले इस मुकाबले में महेंद्र सिंह धोनी नदारद रह सकते है। चेन्नई की टीम का ये सातवां मुकाबला होने वाला है। संभावना जताई जा रही है कि इस मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी महेंद्र सिंह धोनी की जगह किसी अन्य खिलाड़ी को दी जा सकती है। हालांकी अब तक इसकी पुष्टि नहीं हुई है। माना जा रहा है कि महेंद्र सिंह धोनी की जगह ऋाकड़ ऑलराउंडर को कप्तानी करने का मौका मिल सकता है।

महेंद्र सिंह धोनी की जगह इस मुकाबले के लिए बेन स्टोक्स को कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। गौरतलब है कि इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स के पास कप्तानी का अनुभव है, ऐसे में टीम उनपर भरोसा जता सकती है।

विकेटकीपिंग की इन्हें मिलेगी जिम्मेदारी

कप्तानी के अलावा विकेट कीपिंग के लिए भी जिम्मेदारी किसी अन्य खिलाड़ी को सौंपी जाएगी। ऐसे में विकेट किपिंग के लिए डेवोन कॉनवे को जिम्मेदारी मिल सकती है। महेंद्र सिंह धोनी घुटने की इंजरी के कारण इस मैच में नहीं खेल सकते है। वहीं एक वीडियो में टीम के प्रैक्टिस सेशन में महेंद्र सिंह धोनी डेवोन कॉनवे को विकेट किपिंग के गुण सिखाते भी दिख रहे हैं, जिससे संभावना है के उन्हें धोनी की गैरमौजूदगी में इसकी जिम्मेदारी मिल सकती है।

इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर आ सकते हैं धोनी

माना जा रहा है कि धोनी को टीम से पूरी तरह से बाहर नहीं किया जाएगा। उन्हें इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर टीम में शामिल करने की कोशिश हो सकती है। अगर टीम को जरुरत पड़ी तो मुश्किल से निकालने के लिए धोनी को बल्लेबाजी के लिए भेजा जा सकता है। टीम इस प्रकार हैं: चेन्नई सुपर किंग्सः महेंद्र सिंह धोनी (कप्तान और विकेटकीपर), डेवोन कॉनवे, रुतुराज गायकवाड़, अंबाती रायुडू, मोइन अली, बेन स्टोक्स, रवींद्र जडेजा, अजिंक्य रहाणे, सिसंडा मगाला, शिवम दुबे, ड्वेन प्रीटोरियस, अहय मंडल, निशांत सिंधु, राजवर्धन हैंगरगेकर, मिचेल सेंटनर, सुभांशु सेनापति, सिमरजीत सिंह, मथीसा पथिराना, महेश तीक्ष्णा, भगत वर्मा, प्रशांत सोलंकी, शेख रशीद, तुषार देशपांडे। सनराइजर्स हैदराबादः एडेन मार्कराम (कप्तान), अब्दुल समद, राहुल त्रिपाठी, ग्लेन फिलिप्स, अभिषेक शर्मा, मार्को यानसन, वाशिंगटन सुंदर, फजलहक फारूकी, कार्तिक त्यागी, भुवनेश्वर कुमार, टी नटराजन, उमरान मलिक, हैरी ब्रूक, मयंक अग्रवाल, हेनरिक क्लासेन , आदिल राशिद, मयंक मारकंडे, विवरांत शर्मा, समर्थ व्यास, संवीर सिंह, उपेंद्र यादव, मयंक डागर, नीतीश कुमार रेड्डी, अकील होसीन, अनमोलप्रीत सिंह। मैच भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे शुरू होगा।

तेंदुलकर, कोहली और सिंधू सहित कई नामी खिलाड़ियों ने ट्विटर पर 'ब्लू टिक' गंवाया

नयी दिल्ली। दिग्गज सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू समेत भारत के शीर्ष खेल सितारों ने माइक्रो ब्लॉगिंग साइट ट्विटर पर 'ब्लू टिक' गंवा दिया है जिससे उनकी पहचान सत्यापित होती थी। सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर प्रतिरूपण और 'स्पैम' से बचने के लिए पत्रकारों, सरकारी अधिकारियों और अपने क्षेत्र की हस्तियों को ब्लू टिक मुफ्त में प्रदान किया जाता था। ट्विटर ने हालांकि ने गुरुवार को उन खातों से ब्लू टिक हटा दिए जो इस सेवा के लिए मासिक सदस्यता का भुगतान नहीं करते हैं। ट्विटर को पिछले साल टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने खरीदा था।

ट्विटर ने बुधवार को अपने सत्यापित आधिकारिक अकाउंट से ट्वीट किया था,'' हम कल 20 अप्रैल से सत्यापित चेकमार्क्स (ब्लू टिक) को हटा रहे हैं।'' तेंदुलकर, कोहली और सिंधू के अलावा विश्व कप विजेता कप्तान महेंद्र सिंह धोनी, वर्तमान कप्तान रोहित शर्मा, ओलंपिक पदक विजेता साइना नेहवाल, नीरज चोपड़ा और बजरंग पूनिया, पहलवान विनेश फोगाट, दो बार की विश्व मुक्केबाजी चौंपियन निकहत जरीन, टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा, भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री, पुरुष हॉकी टीम के गोलकीपर पीआर श्रीजेश उन कई भारतीय खिलाड़ियों में शामिल है जिन्होंने ट्विटर पर से अपना ब्लू टिक गंवा दिया है।

टेनिस के दिग्गज रोजर फेडरर और राफेल नडाल, फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो और किलियन एम्बाप्पे और बास्केटबॉल के दिग्गज स्टीफन करी का खाता भी अब ट्विटर पर सत्यापित नहीं है। ट्विटर पर अब केवल उन्हीं व्यक्तियों और संगठनों का खाता सत्यापित है जो इसके लिए भुगतान करते हैं। ट्विटर का ब्लू टिक वेब पर लेने के लिए 650 और मोबाइल पर लेने के लिए 900 रुपए का मासिक भुगतान करना होता है।

रिंकू सिंह की बल्लेबाजी से गुस्साए टीम इंडिया को वर्ल्ड कप जिताने वाले हीरो, ट्विटर पर निकाली भड़ास

कोलकाता नाइट राइडर्स के रिंकू सिंह ने एक मुकाबले में अंतिम ओवर में सर्वाधिक रन बनाकर लाइमलाइट हासिल की थी। मगर कोलकाता और दिल्ली के बीच खेले गए बीते मुकाबले में रिंकू सिंह की बल्लेबाजी काफी खराब रही जिस कारण उन्हें दिग्गज खिलाड़ी का गुस्सा झेलना पड़ा है।

दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेले गए मुकाबले में कोलकाता को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा था। कोलकाता की टीम ने दिल्ली के सामने पहले बल्लेबाजी की मगर टीम ताश के पत्तों की तरह बिखर गई। टीम के दो खिलाड़ी रिंकू सिंह और मनदीप सिंह दोनों ही खराब शॉट खेलने के कारण पवेलियन लौट गए। एक तरफ जहां मनदीप सिंह ने 11 गेंदों में 12 रन बनाए तो वहीं रिंकू ने आठ गेंदों में छह रन बनाए। रिंकू सिंह इस मुकाबले में खराब शॉट खेल गए और अक्षर पटेल की गेंद पर कैच थमा बैठे। कोलकाता की टीम सिर्फ 127 रन ही बना सकी थी।

युवराज का फूटा गुस्सा

इस मुकाबले में रिंकू सिंह की पारी को देखकर भारतीय टीम के दिग्गज खिलाड़ी युवराज सिंह का गुस्सा फूटा है। युवराज सिंह ने रिंकू सिंह को इस खराब खेल के लिए जमकर लताड़ा है। युवराज सिंह ने लिखा कि मुश्किल की घड़ी में जिस तरह का खेल रिंकू सिंह और मनदीप सिंह ने दिखाया है उन दोनों की अप्रोच से मैं खुश नहीं हूं। आपके आत्मविश्वास से फर्क नहीं पड़ता क्योंकि विकेट गिरने के समय में पार्टनरशिप बनाना अधिक जरुरी होता है। टीम के सामने आई विकट परिस्थिति में दोनों खिलाड़ियों को 15 ओवर तक टिके रहने पर जोर देना चाहिए।

रसेल ने संभाली जिम्मेदारी

कोलकाता की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सिर्फ 127 रन बनाए जो काफी कम है। हालांकि ये स्कोर भी आंद्रे रसेल की बदौलत ही टीम हासिल कर सकी है। आंद्रे रसेल ने मुश्किल समय में टीम के लिए धमाकेदार बल्लेबाजी की और टीम के लिए अच्छा स्कोर खड़ा किया। उन्होंने 31 गेंदों में एक चौके और चार छक्कों की बदौलत कुल 38 रन बनाए। अंतिम ओवर में रसेल के बल्ले से तीन धमाकेदार छक्के निकले जिससे टीम के स्कोर में अच्छी बढ़ोतरी हुई।

दिल्ली कैपिट्ल्स के छूटे पसीने

वहीं इस छोटे स्कोर को हासिल करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स की टीम के भी पसीने छूट गए। काफी मुश्किलों से 19.2 ओवर में चार विकेट से दिल्ली ने ये मुकाबला जीता। दिल्ली कैपिटल्स की इस टूर्नामेंट में ये पहली जीत थी। दिल्ली अब तक खेले गए छह मुकाबलों में से पांच हार चुकी है। मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान डेविड वॉर्नर ने कप्तानी पारी खेलते हुए अर्धशतक जमाया।

सूडान संकट में फंसे 4 हजार भारतीयों को रेस्क्यू करने के लिए क्या बड़ा ऑपरेशन चलाने की हो रही तैयारी? पीएम मोदी की हाई लेवल मीटिंग

सूडान की राजधानी बम धमाकों तथा भारी गोलाबारी से दहलती रही है। सूडान में प्रतिद्वंद्वी जनरलों के प्रति वफादार बलों के बीच लड़ाई लगातार जारी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हिंसाग्रस्त सूडान में भारतीयों की स्थिति की समीक्षा करने के लिए उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करेंगे। मीडिया रिपोर्ट की माने तो सूडान संकट के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को एक उच्च

स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करेंगे, जिसने राजधानी शहर खार्तूम में हजारों भारतीयों के जीवन को दांव पर लगा दिया है। वर्तमान में 4,000 से अधिक भारतीय संकटग्रस्त राष्ट्र में फंसे हुए हैं। सूत्रों ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी सूडान में भारतीयों से संबंधित स्थिति की समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करेंगे। सूडान पिछले सात दिनों से देश की सेना और एक अर्धसैनिक समूह के बीच घातक लड़ाई देख रहा है जिसमें लगभग 200 लोग मारे गए हैं। अंधाधुंध गोलीबारी के कारण भारतीयों को भोजन, पानी, दवाओं और बिजली की कमी का भी सामना करना पड़ रहा है। सेना और अर्धसैनिक बलों के बीच भीषण लड़ाई के कारण वहां फंसे कई भारतीयों के चिंतित परिजन अपने रिश्तेदारों के बारे में किसी जानकारी की बेसब्री से प्रतीक्षा कर रहे हैं। इसके साथ ही चिंतित परिजनों ने सरकार से अपील की है कि संकटग्रस्त अफ्रीकी देश में फंसे लोगों को निकालने की व्यवस्था की जाए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने नयी दिल्ली में कहा था कि चार–पांच दिन बाद भी संघर्ष कम नहीं हुआ है, लड़ाई जारी है और स्थिति तनावपूर्ण है। ऐसे में हम भारतीयों से आग्रह करते हैं कि वे जहां हैं, वहीं रहें और बाहर न निकलें। उन्होंने कहा था कि हम सूडान के घटनाक्रम पर बेहद करीबी नजर रख रहे हैं।

भारत दौरे पर बोले बिलावल भुट्टो, इसे द्विपक्षीय संबंधों के संदर्भ में न देखे, MEA ने कही यह बात

पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा है कि भारत में शंघाई सहयोग संगठन परिषद की बैठक में उनकी भागीदारी एससीओ के चार्टर के प्रति इस्लामाबाद की प्रतिबद्धता को दर्शाती है और इसे द्विपक्षीय संबंधों के संदर्भ में नहीं देखा जाना चाहिए। इस कार्यक्रम के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि वह अगले महीने गोवा में होने वाली विदेश मंत्रियों की बैठक में पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करेंगे। भुट्टो–जरदारी ने कहा, ष्हम एससीओ चार्टर के लिए प्रतिबद्ध हैं और इस यात्रा को द्विपक्षीय यात्रा के रूप में नहीं बल्कि एससीओ के संदर्भ में देखा जाना चाहिए।ष पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि भुट्टो–जरदारी गोवा में 4–5 मई को होने वाली एससीओ विदेश मंत्रियों (सीएफएम) की बैठक में पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। यह 2014 के बाद में किसी भी पाकिस्तानी नेता द्वारा भारत का दौरा होगा। पाकिस्तान की तत्कालीन विदेश मंत्री हिना रब्बानी खार ने 2011 में भारत का दौरा किया था। मई 2014 में, पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए भारत आए थे। वहीं, उनके दौरे को लेकर भारत ने कहा कि बैठक में हिस्सा लेने के लिए सभी सदस्य देशों को न्यौता भेजा गया है और किसी एक देश की भागीदारी पर ध्यान देना उतना उचित नहीं होगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने पाकिस्तान का नाम लिये बिना कहा कि हम इस बैठक के काफी सफल होने की अपेक्षा करते हैं। लेकिन किसी एक देश की भागीदारी पर ध्यान देना उतना उचित नहीं होगा। फरवरी 2019 में पुलवामा आतंकी हमले के बाद भारत के लड़ाकू विमानों ने पाकिस्तान के बालाकोट में जैश–ए–मोहम्मद के आतंकवादी प्रशिक्षण शिविरों को नष्ट कर दिया था, जिसके बाद भारत और पाकिस्तान के बीच संबंध काफी तनावपूर्ण हो गए थे। अगस्त 2019 में भारत ने जम्मू– कश्मीर का विशेष दर्जा वापस लेकर उसे दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित कर दिया था, जिसके बाद दोनों देशों के संबंधों में और कड़वाहट पैदा हो गई। भारत कहता रहा है कि वह पाकिस्तान के साथ सामान्य पड़ोसी की तरह संबंध रखना चाहता है। हालांकि दूसरी ओर वह इस बात पर जोर देता है कि ऐसे संबंध कायम करने के लिए आतंकवाद और तनावमुक्त माहौल बनाना पाकिस्तान की जिम्मेदारी है।

प्यारा, भोला–भाला सा विनी द पूह चीन में क्यों बनता जा रहा है प्रतिरोध का प्रतीक?

जिनपिंग से इसका क्या कनेक्शन है

जब भी आप डिज्नी की बहुचर्चित विनी द पूह के बारे में ख्याल करते हैं तो आपके दिमाग में कैसी तस्वीर उमड़ती है। निसंदेह एक प्यारा, भोला–भाला सा भालू। लेकिन अब ये पौराणिक भालू अब प्यारा नहीं है। इस साल की शुरुआत में रिलीज हुई श्विनी द पूहरू ब्लड एंड हनीश में आपका वही फेमस शहद प्रेमी भालू एक भयानक सीरियल किलर में बदल जाता है। श्विनी द पूहरू ब्लड एंड हनीश की दुनिया भर के फिल्म प्रेमियों ने आलोचना की है। हांगकांग में तो इसे सिनेमाघरों ने ओपनिंग से पहले ही वापस ले लिया गया। विनी द पूह का कोई भी फिल्मांकन चीनी अधिकारियों का ध्यान आकर्षित करने की गारंटी है। इसके पीछे कि भी एक कहानी है। दरअसल, भालू के किरदार वाले पूह से राष्ट्रपति शी जिनपिंग की तुलना और टाइगर से मिलती जुलती

कर कई बार मखौल भी बनाया जाता है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इसकी शुरुआत 2013 के दौरान शुरू हुई थी। जब शी जिनपिंग ने 2013 में व्हाइट हाउस में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा से मुलाकात की थी। सोशल–मीडिया पर टिप्पणी की गई थी कि कैसे यह जोड़ी भालू के काल्पनिक दोस्त पूह है। एक फोटो में पूह और टाउगर टहलते दिखाए गए। इसके साथ जिनपिंग और ओबामा की फोटो दी गई थी। इसमें पूह की बॉडी लैंग्वेज जिनपिंग जैसी दिखाई गई थी। चीन में पूह पर तब भी प्रतिबंध लगा था। फिल्म का केंद्रीय चरित्र, विनी द पूह, चीन में सेंसरशिप से अपरिचित नहीं है क्योंकि अधिकारी उसे लगभग एक दशक से निशाना बना रहे हैं। श्विनी द पूहरू ब्लड एंड हनीश से पहले 2017 में भालू पर बनी एक अन्य फिल्म शक्रिस्टोफर रॉबिनश को देश में प्रतिबंधित कर दिया गया था। हालांकि चीनी सेंसर द्वारा भालू पर प्रतिबंध को कभी भी स्पष्ट रूप से समझाया नहीं गया है, कई लोगों का मानना घ्छै कि यह व्यापक रूप से लोकप्रिय मीम्स के कारण है जो पूह की तुलना देश के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से करते हैं । बीजिंग में एशिया–प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन में तत्कालीन जापानी प्रधान मंत्री शिंजो आबे के साथ एक हाथ मिलाने के दौरान राष्ट्रपति शी की तस्वीर चर्चा में रही थी। द गार्जियन रिपोर्ट के अनुसार इस दौरान भी चीनी नेता की फिर से काल्पनिक भालू से तुलना की गई थी।

चीन ने ताइवान पर उसका विरोध करने वालों को आगाह किया

बीजिंग। चीन के विदेश मंत्री छिन कांग ने शुक्रवार को ताइवान को धमकी देते हुए कहा कि इस स्वशासित द्वीप पर नियंत्रण की बीजिंग की मांग के खिलाफ जाने वाले लोग ''आग से खेल रहे हैं।'' छिन कांग ने शुक्रवार को एक भाषण के अंत में ये टिप्पणियां कीं जिसमें वैश्विक अर्थव्यवस्था तथा विकासशील देशों के हितों में चीन के योगदान की वकालत की गयी। इसमें उन्होंने कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव शी चिनफिंग की वैश्विक सुरक्षा पहल की बार–बार तारीफ की। छिन कांग ने अपने भाषण में चीनी राजनयिकों के मुकाबले अधिक सख्त शब्दों का इस्तेमाल करते हुए ''ताइवान समस्या'' का जिक्र किया। उन्होंने कहा, ''राष्ट्रीय संप्रभुत्ता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करना निंदनीय है।'' उन्होंने कहा, ''ताइवान समस्या चीन के अहम हितों का केंद्र है। हम चीन की संप्रभुत्ता तथा सुरक्षा को कमतर करने वाले किसी भी कृत्य का जवाब देने में कभी पीछे नहीं हटेंगे। ताइवान के मुद्दे पर आग से खेलने वाले लोग खुद को ही जला लेंगे।'' ऐसी टिप्पणियां आम तौर पर द्वीप की लोकतांत्रिक तरीके से निर्वाचित सरकार तथा उसके सबसे अहम सहयोगी देश अमेरिका के संदर्भ में की जाती हैं। चीन, ताइवान को अपना हिस्सा बताता है तथा जरूरत पड़ने पर बल प्रयोग से इसे कब्जे में लेने की धमकी देता है।

देश में प्रमुख बंदरगाहों ने 2022–23 में रिकॉर्ड 79.5 करोड़ टन माल संभाला

नयी दिल्ली। देश के प्रमुख बंदरगाहों ने 2022–23 में 79.5 करोड़ टन माल संभाला, जो अब तक का सर्वाधिक है। बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय में सचिव सुधांश पंत ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि लगभग 5,000 करोड़ रुपये के लेनदेन के साथ पोत परिवहन मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2022–23 के लिए तय 3,700 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्ति को बाजार पर चढ़ाने (मौद्रिकरण) के लक्ष्य को पार कर लिया है। पंत ने यह भी कहा कि अगले सप्ताह बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल भारत के बंदरगाहों को हरा–भरा बनाने के लिए हरित बंदरगाह की शुरुआत करेंगे। पंत ने पीटीआई–से कहा, हमारे प्रमुख बंदरगाहों ने बीते वित्त वर्ष में अब तक सर्वाधिक 79.5 करोड़ टन माल को संभाला है। यह पिछले साल की तुलना में 10 प्रतिशत अधिक है। देश के 12 प्रमुख बंदरगाह – दीनदयाल (कांडला), मुंबई, मुरगांव, न्यू मैंगलोर, कोचीन, चेन्नई, एन्नोर (कामराजार), तूतीकोरिन (वी ओ चिदंबरनार), विशाखापत्तनम, पारादीप, कोलकाता (हल्दिया सहित) और जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह हैं। उन्होंने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह (कोलकाता), दीनदयाल बंदरगाहजवाहरलाल नेहरू बंदरगाह और पारादीप बंदरगाह ने रिकार्ड कार्गो संभाला। पंत ने यह भी कहा कि अंतर्देशीय जल मार्गों के जरिये माल परिवहन समेत रखरखाव 16 प्रतिशत बढ़कर 12.6 करोड़ टन रहा जो 2021–22 में 10.9 करोड़ टन था।

तीन महिला सहित पांच मिले कोविड पॉजिटिव

देवरिया। कोरोना संक्रमण फैलने लगा है। जनपद में आए दिन मरीज मिल रहे हैं। आई रिपोर्ट में तीन महिला सहित पांच लोग पॉजिटिव मिले। इसमें शहर और देसही देवरिया ब्लाक क्षेत्र के दो–दो लोग हैं। सभी का होम आइसोलेशन में इलाज चल रहा है। जबकि होम आइसोलेशन में रहने वाले पीएचसी महेन के प्रभारी चिकित्साधिकारी सहित चार लोग ठीक हो गए हैं। इस समय एक्टिव केस आठ हैं। जनपद में कोरोना फैलने लगा है। संक्रमितों के मिलने के बाद प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग सतर्क हो गया है। लोगों को कोविड प्रोटोकाल का पालन करने को कहा जा रहा है। जबकि लोग लापरवाह बने हुए हैं। बिना मास्क के भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पहुंच रहे हैं। वहीं सोशल डिस्टेंसिंग का पालन भी नहीं दिख रहा है। . आई रिपोर्ट में शहर के एक मोहल्ले की महिला को वैक्सीन की दो डोज लगी है। वह नोएडा में रहती हैं, जहां सांस लेने में दिक्कत और बुखार होने पर परिजन लेकर उसे अस्पताल पहुंचे, जहां जांच में पॉजिटिव मिलीं। शहर के अन्य एक मोहल्ले की महिला को लंग्स में इंफेक्शन हो गया था। पीजीआई में जांच में संक्रमित मिलीं। वह घर आकर होम आइसोलेशन में हैं। उनके परिवार के अन्य सदस्यों की जांच के लिए सैंपल लेने के निर्देश दिए गए हैं। भागलपुर ब्लाक क्षेत्र की भी एक महिला पॉजिटिव मिली हैं। देसही देवरिया ब्लाक क्षेत्र का एक व्यक्ति चार दिन से सर्दी, खांसी से पीड़ित था। जांच कराने पर संक्रमित मिला। इसी क्षेत्र के एक गांव का सर्दी, जुकाम से पीड़ित युवक भी जांच में पॉजिटिव मिला। परिवार के अन्य सदस्यों का सैंपल लिया गया है। सभी को वैक्सीन की डोज लगी है।

निर्धारित समय सीमा में दिलाएं अग्निकांड पीड़ितों को मुआवजा

महराजगंज। अग्निकांड के पीड़ितों को मुआवजा हर हाल में निर्धारित समय सीमा के भीतर दिलवाया जाए। गर्मी को ध्यान में रखते हुए ट्रांसफार्मरों की मरम्मत व पर्याप्त संख्या में उनकी उपलब्धता को सुनिश्चित किया जाए। हीट स्ट्रोक की घटनाओं में वृद्धि की आशंका को देखते हुए आवश्यक इंतजाम किया जाए। बाढ़ से बचाव के लिए भी सभी तहसीलों में पर्याप्त संख्या में नावों, नाविकों व गोताखोरों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। निचलौल में नांवों की उपलब्धता को लेकर विशेष प्रयास किया जाए। यह निर्देश जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने कलेक्ट्रेट सभागार में बाढ़ध्आपदा स्टीयरिंग कमेटी की बैठक में दिया। उन्होंने सभी तटबंधों की मरम्मत समय पूरा करने के लिए कहा। बाढ़ की दृष्टि से संवेदनशील गांवों में हैंडपंपों को रीबोर और ऊंचा कराने का निर्देश दिया। उन्होंने बाढ़ चौकी व शेल्टर होम, नालों की सफाई, पशुओं के टीकाकरण, उनके लिए भूसे की उपलब्धता, आवश्यक दवाओं की व्यवस्था के संदर्भ में भी जरूरी निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया। इस दौरान अधिशासी अभियंता सिंचाई खंड द्वितीय राजीव कपिल, प्रथम विनोद कुमार वर्मा के साथ ही सभी उप जिलाधिकारी व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

पट्टे की भूमि पर कब्जा कर रहे पट्टेधारकों को प्रशासन ने रोका

निचलौल। क्षेत्र के मुसहर बस्ती में पट्टे की भूमि पर पट्टटाधारक कब्जा करने लगे। यह सूचना किसी ने तहसील प्रशासन को दे दी। अधिकारियों ने भूमि पर कब्जा करने वाले पट्टाधारकों को रोक दिया। पट्टाधारकों को ढाई दशक बाद भी पट्टे की भूमि कब्जा नहीं मिल सका। जानकारी के मुताबिक, मुसहर बस्ती बढ़या मुस्तकिल गांव में वर्ष 1995 में रकबा संख्या–409 में 10 एकड़ 40 डिस्मिल भूमि को नथुनी, रघुनाथ, झिनकू, करीमन, रुदल, खुब्बी, सूरुज, नारायन, बद्दु, रामलाल, सरल, झम्मन, लक्ष्मी, ठगिया समेत कुल 22 लोगों के नाम से पट्टा हुआ है, लेकिन उक्त भूमि पर कुछ लोग कब्जा कर लिए थे। इसका मुकदमा कमिश्नर के यहां चल रहा है। नाराज पट्टेधारक उक्त भूमि पर पहुंच कर कब्जा करने लगे। कब्जा करने वालों के बीच हंगामा खड़ा हो गया। राजस्व विभाग की टीम नाराज पट्टाधारकों को समझाने लगी। नाराज पट्टाधारकों ने कहा कि उक्त भूमि पर कब्जा पाने के लिए ढाई दशक से तहसील से लेकर कोर्ट का चक्कर काट रहे हैं। कोई सुनने वाला नहीं है। तहसीलदार वाचस्पति सिंह ने कहा कि उक्त भूमि का मामला अभी कमिश्नर के यहां चल रहा है। बगैर निर्णय के पट्टेधारक भूमि पर कब्जा कर रहे थे। पट्टाधारकों को समझा बुझाकर कब्जा करने से रोकवा दिया गया है।

शासन की मंशा के अनुरुप जनपद में ओवर लोडिंग व अवैध परिवहन रोकने हेतु चला अभियान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। शासन की मंशा के अनुरूप जनपद में ओवर लोडिंग व अवैध परिवहन पर रोक लगाने हेतु जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह के निर्देशन में सहदेव मिश्रा अपर जिलाधिकारी (वि0ध रा0) के नेतृत्व में 19 व 20 अप्रैल,2023 तक अवैध परिवहन पर रोक लगाने हेतु अभियान चलाया गया। इस दौरान परिवहन व वाणिज्य कर विभाग के साथ संयुक्त अभियान लोढ़ी बैरियर से होकर आने वाले उपखनिज के अवैध परिवहन के सम्बंध मे सघन जाँच किया गया, जिसमे कुल 82 वाहनों को अवैध परिवहन किये जाने के करण एम0चेक ऐप के द्वारा ऑनलाइन चालान की कार्यवाही किया गया, जिसमे 10 वाहनों को लोढ़ी बैरियर के अभिरक्षा में दिया गया, इस दौरान 13 वाहन स्वामियों द्वारा नोटिस की धनराशि मौके पर जमा करा लिया गया है। इस मौके पर ज्येष्ठ खान अधिकारी आशीष कुमार, ए0आर0टी0ओ0 धनवीर यादव, खान निरीक्षक ईश्वर चन्द्र, मनोज कुमार, सर्वेयर योगेश शुक्ला सहित अन्य सम्बन्धितगण उपस्थित रहें।

■ अवैध परिवहन और ओवर लोडिंग करने वाले 82 गाड़ियों का चालान कर, 10 वाहनों को सम्बन्धित थानों को अभिरक्षा हेतु किया गया सुपूर्द

■ 13 वाहन स्वामियों द्वारा नोटिस की धनराशि मौके पर ही की गयी जमा

सीसी फुटेज में प्रधान के बेटे को पिकअप ने मारी टक्कर, जांच में जुटी पुलिस

प्रधान की तहरीर पर अज्ञात बदमाशों के खिलाफ दर्ज है हत्या का मुकदमा

सलेमपुर। रामपुर बुजुर्ग मोड़ के पास खून से लथपथ एक ग्राम प्रधान के बेटे का शव मिला था। जिसके बाद ग्रामीणों ने हत्या का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया था। प्रधान की तहरीर पर पुलिस अज्ञात बदमाशों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर जांच में जुट गई। . देर शाम घटनास्थल के बगल में लगे सीसी फुटेज की जांच के दौरान कोतवाली पुलिस को कुछ अहम सुराग मिले। इसके बाद पुलिस ने राहत की सांस ली। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी सिर पर चोट लगने और घसीटे जाने की वजह से मौत की बात सामने आई है। हालांकि प्रधान की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। कोतवाली थाना क्षेत्र के महदहां गांव के जय नारायण यादव ग्राम प्रधान हैं। ... भोर में उनका बेटा मंटू यादव घर से टहलने के लिए निकला था। सुबह करीब नौ बजे गांव के बाहर सलेमपुर देवरिया मुख्य मार्ग पर रामपुर मोड़ के पास एक गुमटी के पीछे उसका शव देखा गया। जिसके बाद ग्रामीण हत्या का आरोप लगाते हुए हंगामा करने लगे। प्रधान की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर मामले की जांच में जुट गई।देर शाम घटनास्थल के बगल में लगे एक शोरूम में सीसी फुटेज से कोतवाली पुलिस को एक अहम सुराग मिला। सीसी फुटेज में देखा गया कि भोर में 4रू35 पर सलेमपुर देवरिया मुख्य मार्ग पर एक युवक सड़क पर दौड़ते हुए जा रहा है। उसके पीछे से तेज रफ्तार की एक पिकअप आकर उसे टक्कर मार देती है।

दूसरे साइड से एक चार पहिया वाहन भी क्रॉस कर रही है, लेकिन घटनास्थल पर दोनों वाहनों में से कोई रुका नहीं। जिससे पुलिस संदेह जता रही है कि प्रधान के बेटे का हत्या नहीं सड़क दुर्घटना में मौत हुई है। जबकि प्रधान का कहना है कि उनके बेटे की हत्या की गई है। फिलहाल कोतवाली पुलिस अज्ञात बदमाशों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर घटना की जांच में जुटी हुई है। कोतवाल गोपाल पांडेय ने बताया कि प्रधान की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है। सीसी फुटेज को देखने से सड़क दुर्घटना में प्रधान के बेटे की मौत की बात सामने आई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी सिर पर चोट से मरने की पुष्टि हुई है। वैसे इस मामले की जांच की जा रही है।

. सड़क दुर्घटना में हुई है मौत तो गुमटी के पीछे कैसे पहुंचा शवः सलेमपुर। कोतवाली क्षेत्र के रामपुर मोड़ के पास स्थित एक गुमटी के पीछे मिले प्रधान के बेटे के शव को लेकर क्षेत्र के लोग कई तरह से सवाल उठा रहे हैं। लोगों का कहना है कि अगर प्रधान के बेटे की सड़क दुर्घटना में मौत हुई है तो वह सलेमपुर– देवरिया मुख्य मार्ग किनारे स्थित गुमटी के पीछे कैसे चला गया। आखिर उसके ऊपर बांस और बल्ली किसने रखा। यह संदेह का विषय है। इसकी जांच होनी चाहिए। पूरे दिन सीसी फुटेज खंगालती रही पुलिसः सलेमपुर। घटनास्थल के बगल में लगे सीसी टीवी फुटेज में कुछ तस्वीर साफ होने के बाद कोतवाली पुलिस घटनास्थल के ईद–गिर्द लगे सीसी फुटेज कोदेर शाम तक खंगालती रही। पुलिस पिकअप की तलाश के लिए क्षेत्र के तमाम जगहों पर लगे सीसीटीवी फुटेज को देखती रही, लेकिन अभी तक पिकअप का पता नहीं लग सका है।

फोन आते ही गांव में गेहूं खरीदने पहुंचेगी टीम

फसल समर्थन मूल्य योजना के तहत शत–प्रतिशत किसानों को लाभान्वित कर रही सरकार

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोरखपुर। किसानों की तरफ से उत्पादित गेहूं का समर्थन मूल्य इस बार शासन ने 2125 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया है। जनपद में निर्धारित 152 क्रय केंद्रों के अलावा गांव–गांव घर–घर मोबाइल वैन के जरिए किसानों की सुविधा के अनुसार घर घर पहुंच कर 2125 रुपए में सरकार द्वारा निर्धारित ठेकेदारों के जरिए गेहूं खरीद किया जा रहा किसानो के समय की बर्बादी ना हो सके और किसानों के सुविधा अनुसार किसान अपना गेहूं मोबाइल बैंन के जरिए सरकार को बेच रहे किसानों को अब इधर–उधर भाग दौड़ करने की जरूरत नहीं आरएफसीध्अपर आयुक्त अनुज मलिक ने गोरखपुर जनपद सहित मंडल के हर ब्लॉक में आवश्यकता अनुसार 1 से 2 ठेकेदारों को निर्धारित किया है जिनके पास फोन आते ही तत्काल अपने बैन को लेकर किसान के घर पहुंच कर गेहूं खरीद करने का कार्य कर रहे हैं 48 घंटे के अंदर लिए गए गेहूं के मूल्य को उनके खाते में भेजने का कार्य कर रहे हैं जिससे किसानों को भाग दौड़ से समय की बर्बादी से बच रहे किसान। जनपद में 152 क्रय केंद्रों पर गेहूं क्रय किए जा रहे हैं इसके अलावा प्रत्येक ब्लॉक में एक से दो ठेकेदार के जरिए जरूरत के हिसाब से गेहूं क्रय मोबाइल बैन निर्धारित किए गए हैं जो सेक्टर इंचार्ज के देखरेख में किसानों की सुविधा के अनुसार उनके घर घर पहुंच कर गेहूं क्रय करने का कार्य कर रहे हैं इससे किसानों को कहीं आने जाने के लिए भाड़ा खर्च करने की जरूरत नहीं पड़ेगी और सरकार द्वारा निर्धारित वाजिब मूल्य 2125 रुपए 48 घंटे के अंदर किसान के खाते में एकमुश्त भेज दिया जा रहा। शासन ने मोबाइल क्रय केंद्र के माध्यम से गेहूं खरीद का लक्ष्य पूरा करने का निर्देश दिया गया है। शासन का निर्देश मिलने के बाद विपणन विभाग मोबाइल टीम गठित कर गांव–गांव गेहूं खरीद करने की कवायद शुरू कर दिया है।पंजीकृत परिवहन ठेकेदार के माध्यम से गांव में ही खरीद की व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए प्रचार–प्रसार ने जुट गये है जिससे ज्यादे से ज्यादे किसान मोबाइल बैन का लाभ उठाते हुए अपना गेहूं बेच सकें और इसका लाभ उठा सकें। गांव में खरीद करने के लिए संबंधित केंद्र प्रभारी के साथ राजस्व लेखपाल व पंचायत सचिव को शामिल किया गया है। गांव में खरीद हो इसके लिए किसानों को अपने नजदीकी क्रय केंद्र के प्रभारी को सूचित करना होगा। सूचना के बाद प्रभारी नामित सदस्यों के साथ ग्राम प्रधान के माध्यम से गांव में खरीद मोबाइल वाहन को जाने की सूचना देकर गांव में खरीद कर रही है। खरीद के दौरान एक ट्रक पूरा होने तक गेहूं को पंचायत भवन में सुरक्षित रखा जा रहा। एक ट्रक गेहूं होने के बाद पंजीकृत परिवहन ठेकेदार के माध्यम से गेहूं की लोडिंग कर उसे एफसीआई भेज दे रहा। गांव में ही खरीद हो इसके लिए मौके पर ही किसानों के पंजीकरण की भी प्रबंध किया गया है किसान को इधर उधर परेशान होने की जरूरत नहीं है। पंजीकृत किसानों से प्वांइट ऑफ परचेज मशीन से आधार बेस खरीद कर 48 घंटे में पीएफएमएस पोर्टल की मदद से भुगतान कर दिया जा रहा है मोबाइल टीम से गांव में गेहूं खरीद को सफल बनाने के लिए गांवों में केंद्र प्रभारी का नाम व मोबाइल नंबर का पोस्टर चस्पा कर प्रचार–प्रसार किया जा रहा। अधिक से अधिक किसानों को लाभान्वित किया जा सके इसके लिए ग्राम प्रधान के माध्यम से किसानों से संपर्क करने के साथ फोन पर बुकिंग की सुविधा दी गई है।

किसान फोन पर अपना गेहूं बेचने का पंजीकरण कर सकेगा और संबंधित गांव के प्रधान व कोटेदार खरीद व्यवस्था में सहयोग कर रहे। मोबाइल क्रय केंद्र के माध्यम से गांव में गेहूं बेचने के लिए संबंधित गांव के अलग–अलग किसानों से खरीद करते हुए कम से कम एक ट्रक गेहूं होने की व्यवस्था केंद्र प्रभारी, ग्राम प्रधान व कोटेदार की मदद से करेगा। जहा मोबाइल टीम गांव में जाकर गेहूं खरीदेगी। डिप्टी आरएमओ राकेश ने बताया कि फसल समर्थन योजना को पारदर्शी ढंग से लागू कराने की तैयारी की गई है। मोबाइल क्रय टीम गांव में जाकर मौके पर आधार बेस प्वाइंट ऑफ सेल मशीन से क्रय व भुगतान प्रक्रिया के माध्यम से किसानों से गेहूं खरीद की जा रही योजना से किसानों को परेशानी न हो इसके लिए सभी प्रबंध करते हुए मोबाइल टीम से गेहूं खरीद शुरु करने का निर्देश दिया गया है। गांव में गेहूं खरीद प्रक्रिया की नियमित निगरानी करते हुए किसानों को परेशान करने वाले केंद्र प्रभारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। छोटे किसान के साथ थोड़ी मात्रा में गेहूं होने से वह क्रय केंद्र लाकर बेचने से गुरेज करते हैं। कम गेहूं क्रय केंद्र तक लाने में उन्हें किराया अधिक देना पड़ता था। ऐसे में मोबाइल क्रय केंद्र के माध्यम से गांव में ही गेहूं खरीद होने से किसानों के परिवहन व्यवस्था में होने वाला खर्च बचेगा और बिना किसी झंझट के गांव में घर बैठे गेहूं बेच सकेंगे। इस व्यवस्था से किसानों को सुविधा मिलेगी। ज्यादा से ज्यादा किसान मोबाइल बैंन के जरिए अपने गेहूं को बेचने का कार्य सरकार द्वारा निर्धारित 2125 रुपए में बेचने का कार्य करें किसी प्रकार की कोई असुविधा होने पर आरएफसी के वरिष्ठ अधिकारियों को तत्काल सूचित करें उसका तत्काल निदान किया जाएगा।

निकाय चुनाव में किसी को मिला फरसा, किसी मिला गदा निशान

महराजगंज। जिले के दस निकायों में अध्यक्ष व सदस्य पद पर चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों को शुक्रवार को चुनाव चिह्न जारी होगा। पार्टी की ओर से अधिकृत किए गए प्रत्याशियों को जहां पार्टी के चुनाव चिह्न पर लड़ने का अवसर मिलेगा, वहीं निर्दलीय प्रत्याशियों को निर्धारित किए गए कुल 81 चुनाव चिह्नों में से अध्यक्ष पद पर किसी फरसा तो किसी को गदा चुनाव निशान मिला है। वहीं सदस्य पद पर कोई तोप चलाएगा तो कोई बंदूक। जिले की दो नगर पालिका व आठ नगर पंचायतों में चार मई को मतदान होना है। ऐसे में प्रतीक आवंटन की प्रक्रिया शुक्रवार को पूरी कराई जानी है। अध्यक्ष व सदस्य पद के लिए मान्यता प्राप्त दलों प्रत्याशियों के लिए कुल 18 चुनाव चिह्न का निर्धारण किया गया है। सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. पंकज कुमार वर्मा ने कहा कि अध्यक्ष व सदस्य पद के प्रत्याशियों को शुक्रवार को प्रतीक चिह्न का आवंटन होगा।

अध्यक्ष पद के निर्दलीय उम्मीदवार के लिए 39 चिह्न निर्धारितः शटल, अनार, अलावा और आदमी, पानी का नल, ऊन का गोला, कंघा, टेबल लैंप, गुल्ली डंडा, छत का पंखा, फरसा, केले का पेड़, चिड़िया का घोसला, गदा, जीप, पहिया, टेबल फैन, फूल और घास, फसल काटता किसान, दमकल (आग बुझाने की गाड़ी), भगोना, पानी की बोतल, स्कूल बैग, हल, रेल का इंजन, कुर्सी सहित डाइनिंग टेबल, लड़का लड़की, हथौड़ा, सितारा, शहनाई, स्कूटर, सरौता, सुराही, सैनिक, शंख, रिक्शा, तलवार, लट्टू, वायुयान व वृक्ष।

सदस्य पद के निर्दलीय प्रत्याशियों के लिए 42 चुनाव चिह्न निर्धारितः अनाज ओसाता हुआ किसान, ओखली, आम, इमली, उगता सूरज, खजूर का पेड़, खड़ांऊ, कलम और दवात, गमला, कार, गाजर, किताब, गुलाब का फूल, कुल्हाड़ी, घंटी, केला, चश्मा, तरकश, छाता, तराजू, झोपड़ी, ताला चाबी, तोप, त्रिशूल, मुकुट, ड्रम, डमरू, धान का पौधा, ढोलक, नाव, पत्तियां, पेपर वेट, बिजली का बल्ब, पुल, पैंसिल, कुर्सी, फावड़ा, बैलगाड़ी, पेचकस, भुट्टा, बंदूक व मोटर साइकिल।

शादी से इनकार करने पर दोनों में हुआ झगड़ा

महराजगंज। प्रेमी ने युवती पर इसलिए हमला कर दिया कि शादी करना चाहती थी। जबकि प्रेमी कह रहा था कि इसी तरह साथ रहो। लेकिन युवती को यह स्वीकार नहीं था। जब युवती ने शादी की जिद की तो प्रेमी आग बबूला हो गया। उसने युवती पर जानलेवा हमला कर दिया। सिर से पैर तक आठ जगह चाकू से वार करके लहूलुआन कर दिया। अब युवती अस्पताल में जिंदगी और मौत से जूझ रही है। युवती और युवक दोनों अलग–अलग समुदाय के हैं। चार साल पहले पहले से बसी घर–गृहस्थी छोड़कर प्रेमी के साथ चली आई। अब प्रेमी ने दगा दे दिया। पुलिस की पूछताछ में युवती ने सब कुछ बताया है। घायल युवती के पिता ने बताया कि 12 वर्ष पहले बेटी की शादी पनियरा क्षेत्र के एक गांव में हुई थी। दोनों एक साथ करीब छह वर्षो तक रहे। इस बीच उन्हें एक बेटा भी हुआ। बेटा होने के बाद किसी बात को लेकर बेटी की पति से अनबन हो गई। उसके बाद बच्चे को लेकर इधर–उधर भटकने लगी थी। वह बच्चे को लेकर चार माह से प्रेमी के साथ रह रही थी। शुरुआत में दोनों के बीच सब कुछ ठीक रहा। दो दिनों से दोनों के बीच प्रत्येक दिन नोकझोंक हो रही थी। बच्चे के भविष्य को लेकर उसे चिंता सता रही थी। दूसरे समुदाय के युवक ने उसे अपनी बातों में फंसाकर साथ रखकर लिया था। बाद में बात–बात कर उसके साथ मारपीट करता था।

दिनदहाड़े वारदात को अंजाम दे रहा था आरोपी

सिंदुरिया थाना क्षेत्र के एक गांव में प्रेमी कमरा बंद कर प्रेमिका को चाकू से गोद रहा था। सभी लोग अपने कार्यों में व्यस्त रहे। किसी को करीब 20 मिनट तक भनक नहीं लगी। युवती लहूलुहान हालत में चिल्लाई तो आसपास के लोग ने उसे बचाने की कोशिश की। युवती की हालत बेहद गंभीर बताई जा रही है। चाकू से उस पर कई जगह प्रहार किए गए है। गनीमत रही कि आसपास के लोग शोर सुनकर तुरंत मौके पर पहुंचकर आरोपी को दबोच लिया।

खून से लथपथ युवती जमीन पर पड़ी थी बेहोश

चाकू के हमले में गंभीर रूप से घायल प्रेमिका चिल्लाने के बाद खून से लथपथ जमीन पर बेहोश पड़ी थी। आसपास के लोग पहुंचे तो पहले पुलिस को सूचना देने के बाद आरोपी को दबोच लिया था। पुलिस के पहुंचने पर आरोपी को सौंप दिया। लोगों के अनुसार युवती का काफी खून बह गया है।

यूनतम तापमान में वृद्धि व हवा में नमी का स्तर घटने से बढ़ी परेशानी

तपिश और गम हवाओं के कारण बढ़ रही दुश्वारियां

देवरिया। अप्रैल जैसे–जैसे बीत रहा है, तपिश और गम हवाओं के कारण लोगों की दुश्वारियां बढ़ती जा रही हैं। पश्चिमी विक्षोभ की कम सक्रियता के कारण वातावरण में नमी का स्तर घटता जा रहा है। लगातार तेज चल रही पछुआ हवा के चलते शुष्कता बढ़ रही है। धूल भरी तेज हवा के संपर्क में आने के चलते गला और नाक सूखने के चलते लोगों को दिक्कते हो रही हैं। वहीं लू लगने की आशंका भी बढ़ जा रही है। न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी होने से रात के समय भी गर्मी लोगों को परेशान कर रही है। न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस तो न्यूनतम तापमान 29 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि अधितत तापमान 42 डिग्री सेल्सियस। मौसम विशेषज्ञ न्यूनतम तापमान में तीन डिग्री की बढ़त होने से रात में उमस और गर्मी में बढ़ने की आशंका जता रहे हैं।

पिछले पांच दिनों से अधितकतम तापमान 40 डिग्री या उससे अधिक बना हुआ है। इससे अब लोगों की दिनचर्या प्रभावित होने लगी है। न तो लोगों को दिन में सुकून है न रात में। भीषण गर्मी के कारण लोगों की नींद पूरी नहीं हो पाने से सुबह देर तक सोना पड़ रहा है। ऐसे में जो नौकरीपेशा या दुकानदार व्यवसायी हैं, वे अपने काम पर देरी से पहुंच रहे हैं। यही नहीं पढ़ने वाले बच्चे भी गर्मी से झेल जा रहे हैं। नींद पूरी भी नहीं हो पा रही है और उन्हें सुबह स्कूल जाने के लिए जल्दी जगना पड़ रहा है।

एक दिन में तीन डिग्री बढ़ गया न्यूनतम तापमान

तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण न्यूनतम तापमान में भी इजाफा दर्ज किया जा रहा है। न्यूनतम तापमान बढ़ने से नमी की मात्रा भी प्रभावित हो रही है। हवा में नमी का स्तर 13, जबकि 12 प्रतिशत रहा। अधिकतम तापमान में गिरावट न होने और नमी कम होने के चलते न्यूनतम तापमान पिछले दिन के मुकाबले तीन डिग्री तक बढ़ गया है। मल्हना कृषि केंद्र के वैज्ञानिक रजनीश श्रीवास्तव बताते हैं कि पश्चिमी विक्षोभ कम सक्रिय है। इस वजह से अप्रैल में भी भीषण गर्मी पड़ रही है। तेज पछुआ हवाओं का कारण मौसम पूरी तरह से रूखा हो चला है। यही कारण है कि न्यूनतम तापमान भी बढ़ रहा है। आने वाले दो–तीन दिन में मौसम में बदलाव हो सकता है।

नगर निकाय सामान्य निर्वाचन,2023 में मतदान 11 मई को पूर्वान्ह 07.00 बजे से अपरान्ह 06.00 बजे तक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी(न0नि0) चन्द्र विजय सिंह ने अवगत कराया है कि आगामी नगर निकाय सामान्य निर्वाचन–2023 हेतु राज्य निर्वाचन आयोग उ0प्र0 लखनऊ के निर्देशानुसार जनपद में दिनांक–11 मई .2023 को (गुरूवार) (पूर्वान्ह 07:00 बजे से अपरान्ह 06:00 बजे तक) निर्धारित मतदान केन्द्रोंध्स्थलों पर मतदान सम्पन्न कराया जायेगा, इस दौरान द्वारा कोविड–19 के रोगियों की संख्या में वृद्धि को दृष्टिगत रखते हुए जरूरी व्यवस्थायें सुनिश्चित कराने हेतु निर्देशित किया गया है। उन्होंने बताया कि मतदान कर्मियों की नियुक्ति–गम्भीर रोगों से ग्रसित कार्मिकों जिनके कोविड–19 से संक्रमित होने की आशंका अधिक होती है, को चुनाव कार्य में नियुक्त नही किया जाएगा। उक्त के अलावा गर्भवती महिलाओं एवं धात्री माताओं तथा दिव्यांग कर्मचारियों को भी नियुक्त नही किया जाएगा। कोविड–19 के दृष्टिगत उचित संख्या में रिजर्व मतदान कार्मिक रखे जाएं जिससे कि मतदान दल के किसी सदस्य में कोविड–19 के लक्षण पाए जाने की स्थिति में रिजर्व कार्मिकध्कार्मिकों को उपयोग में लाया जा सके। मतदान दलों का प्रस्थान–प्रस्थान के दौरान प्रस्थान स्थल की क्षमता को दृष्टिगत रखते हुए मतदान दलों को अलग–अलग सत्रों में बुलाया जाए एवं तद्नुसार ही मतदान दलों का प्रस्थान करवाया जाए। मतदान कार्मिकों के प्रशिक्षण एवं मतदान दलों की रवानगी के समय सभी कार्मिकों को यह स्पष्ट निर्देश प्रदान किए जाएं कि वे मतदान के दौरान पूरे समय मास्क का उपयोग करेंगे एवं सामाजिक दूरी का पालन करेंगे। मतदान दल के सदस्यों के ठहरने की व्यवस्था करते समय यह ध्यान रखा जाए कि मतदान दल के सदस्यों में उचित सामाजिक दूरी रहे एवं ठहरने के स्थान पर स्वच्छता एवं सफाई का पूर्ण ध्यान रखा जाए। मतदान दल के सदस्यों के लिए किट उपलब्ध करवाई जाएगी, जिसमें सैनेटाइजर (एक लीटर)–मतदान दिवस पर मतदाताओं के प्रयोग के लिए (प्रत्येक मतदान चरण के लिए एक लीटरध्प्रति मतदान स्थल की दर से) फेश मास्क (मतदान दल के सदस्यों के प्रयोग के लिए) (प्रति मतदान सदस्य प्रत्येक मतदान चरण एक प्रति कार्मिक की दर से। मतदान दिवस पर मतदान केन्द्र की व्यवस्था–मतदान केन्द्र पर मतदान दल के सदस्योंध्पोलिंग एजेन्ट्स के बैठने की व्यवस्था सामाजिक दूरी के नियमों को ध्यान में रखते हुए की जाए। मतदान केन्द्र पर प्रवेश करने वाले प्रत्येक व्यक्ति के लिए मास्क लगाना अनिवार्य होगा, केवल मतदाता की पहचान पर संदेह होने पर ही मास्क हटाया जा सकेगा। पुलिस कर्मीध्होमगार्डध्पी0वी0डी0ध्ग्राम चौकीदार जिसे निर्वाचन ड्यूटी में नियोजित किया गया हो, द्वारा मतदान के लिए लाइन में लगे मतदाताओं में सोशल डिस्टेसिंग का पालन सुनिश्चित किया जाएगा। संक्रमण से बचाव के लिए मतदान बूथ पर चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों के पोलिंग एजेन्ट तथा मतदान कार्मिकों की बैठने की व्यवस्था सोशल डिस्टेंसिंग को ध्यान रखते हुए की जाए । परन्तु यदि मतदान कक्ष की संरचना ऐसी है कि जिसमें अभ्यर्थियों के पोलिंग एजेन्ट्स को अन्दर बैठाने से सामाजिक दूरी का पालन सम्भव नही है तो उन्हें कक्ष से बाहर इस तरह बैठाया जाएगा कि कक्ष के अन्दर की कार्यवाही उनके द्वारा देखी जा सके और आवश्यकता पड़ने पर पीठासीन अधिकारी से बात की जा सके। अभ्यर्थियों द्वारा मतदान केन्द्र के बाहर बनाए जाने वाले बूथ पर सैनेटाइजर की व्यवस्था रखनी होगी एवं मतदाताओं की सहायता के कार्य में संलग्न व्यक्तियों द्वारा पूरे समय मास्क का उपयोग किया जाएगा ऐसे बूथों पर अनावश्यक भीड़ नही होनी चाहिए, इस निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

रिजर्व पुलिस लाईन चुर्क में शुक्रवार परेड की ली गई सलामी, किया गया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। डॉ0 यशवीर सिंह, पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा

पुलिस लाईन परेड ग्राउंड में साप्ताहिक शुक्रवार परेड की सलामी ली गई तथा परेड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के पश्चात शारीरिक एवं मानसिक रूप से फिट रहने के लिए परेड की दौड़ लगवाई। निरीक्षण के क्रम में महोदय द्वारा यू0पी0–112 व थानों से आये वाहनों की गहनता से चेकिंग की गयी तथा पीआरवी पर तैनात पुलिस कर्मियों से वाहनों में उपलब्ध दंगा नियंत्रणध्सुरक्षा उपकरणों के सम्बंध में जानकारी लेते हुए उनकी चेकिंग की गयी। तत्पश्चात पुलिस लाईन चुर्क के कैण्टिन एवं पुलिस बैरकों व आवासीय परिसर का निरीक्षण कर सम्बंधित को मरम्मत और साफ–सफाई आदि के संबंध में आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए।

पाक्सो एक्टः दोषी सुनील को 20 वर्ष की कैद

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। ढाई वर्ष पूर्व 14 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ हुए दुष्कर्म के मामले में अपर सत्र न्यायाधीशध विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट सोनभद्र निहारिका चौहान की अदालत ने शुक्रवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी सुनील कुमार को 20 वर्ष की कैद एवं 35 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। अर्थदंड की समूची धनराशि पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक म्योरपुर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने थाने में दी तहरीर में अवगत कराया था कि उसकी 14 वर्षीय नाबालिग बेटी 10 अगस्त 2020 को दोपहर दो बजे लापता हो गई।

■ 35 हजार रूपये अर्थदंड ,ना देने पर 6 माह की अतिरिक्त कैद
■ ढाई वर्ष पूर्व 14 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ हुए दुष्कर्म का मामला

बेटी की हर संभावित जगहों पर तलाश की गई। लेकिन उसका कहीं पता नही चला। इस तहरीर पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना किया। विवेचना के दौरान विवेचक ने पर्याप्त सबूत मिलने पर न्यायालय में चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी सुनील कुमार को 20 वर्ष की कैद एवं 35 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वहीं अर्थदंड की समूची धनराशि पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष की तरफ से सरकारी वकील दिनेश कुमार अग्रहरी, सत्य प्रकाश त्रिपाठी एवं नीरज कुमार सिंह ने बहस की।

संदिग्ध हाल में लगी आग आठ बकरियां मरी दो भैस झुलसी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। कोतवाली रावर्ट्सगंज अंतर्गत ग्राम पंचायत सिरसिया के कुसाही गांव में संदिग्ध हाल में कच्चे घर में आग लग जाने से आठ बकरियां जिंदा जलकर मर गई दो भैसे झुलस गई हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली रावर्टसगंज अंतर्गत ग्राम पंचायत सिरसिया के राजस्व गांव कुसाही गांव निवासी बेचन पटेल ने अपने घर में 11 बकरियां दो भैंसों को बांध रखे थे। जिसमें किसी प्रकार संदिग्ध हाल में मकान में आग लग गई जिससे घर धू धू कर जलने लगा आनन–फानन में बकरियों भैसों को बाहर निकालते आग की लपटें तेज हो गई जिसमें कुल 11 बकरियां में 8 बकरी जिंदा जल कर मर गई। एवं दोनो भैसे भी बुरी तरह झुलस गई हैं बचाने में पहुंचे बेचन पटेल के लड़के राम जनम भी झुलस गए हैं।

किसी प्रकार ग्रामीणों ने पास के समरसेबल के पानी से आग पर काबू पाया लेकिन तब तक बकरिया झुलस कर मर चुकी थी। भैसे भी झुलस पर गंभीर हालत में हैं राम जनम का उपचार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ककराही में किया जा रहा है। घटना से भुक्तभोगी की अपूर्णनिय क्षति हो गई है आशय की जानकारी देते हुए ग्राम प्रधान राधेश्याम पटेल ने बताया कि आग कैसे लगी अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है इसकी जानकारी क्षेत्रीय लेखपाल और पुलिस को दे दी गई है। पशु डॉक्टर झुलसी भैसों की इलाज कर रहे हैं।

पृथ्वी दिवस पर बिशेष अभियान चलाया जायेगा

दैनिक बुध्द्ध का संदेश

सोनभद्र। जिले में विश्व पृथ्वी दिवस पर 22 अप्रैल को विशेष अभियान चलाया जाएगा, इस दौरान पर्यावरण की रक्षा के प्रति लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए शासन ने नई पहल की है। सेल्फी विथ अमृत सरोवर के माध्यम से लोगों को गांवों में बने अमृत सरोवर के साथ सेल्फी लेकर उसे सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर पोस्ट करें और हैशटैग के साथ वह इस फोटो को प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, केन्द्रीय मंत्री सहित अन्य मंत्रियों को टैग भी करेंगें। इस जन अभियान के माध्यम से जहां अमृत सरोवरों के वास्तविक स्थिति की जानकारी होगी तो जल और पर्यावरण संरक्षण के प्रति भी लोग जागरूक होंगें। पृथ्वी पर पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक करने के लिए प्रत्येक वर्ष–22 अप्रैल को विश्व पृथ्वी दिवस मनाया जाता है, इस दिन विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है, इस बार इन कार्यक्रमों में सेल्फी विथ अमृत सरोवर को भी शामिल किया गया है। स्वतंत्रता के अमृत काल में सरकार के निर्देश पर गांव और निकायों में अमृत सरोवर बनाए गए थे, कई क्षेत्रों में इन अमृत सरोवरों को आधा–अधूरा छोड़ दिया गया है तो कहीं उसकी समुचित देख–भाल नहीं हो रही। अमृत सरोवरों के प्रति लोगों का आकर्षण बढ़ाने और पर्यावरण के मकसद से सेल्फी विथ अमृत सरोवर को अभियान के रूप में चलाने का निर्णय लिया गया है।

अक्षय तृतीया'' पर बाल विवाह रोकने हेतु टीमों का किया गठन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह ने अवगत कराया है कि ''अक्षय तृतीया'' पर बाल विवाह एक दण्डनीय अपराध है तथा बाल विवाह में हिस्सा लेने वाले व्यक्तियों पर भी कानूनी कार्यवाही का प्राविधान किया गया है, इस अधिनियम के अन्तर्गत किसी भी बालिका, जिसने अपनी आयु 18 वर्ष पूर्ण न की हो एवं किसी बालकध्युवा जिसने अपनी आयु 21 वर्ष पूर्ण न की हो का विवाह कराया जाना प्रतिबन्धित है, ''अक्षय तृतीया'' 22 अप्रैल, 2023 को है, इस अवसर पर बाल विवाह की कुप्रथा के रोक–थाम हेतु प्रभावी निरोधात्मक कार्यवाही एवं बाल विवाह के दुष्परिणामों के सम्बन्ध में आम जनमानस को जागरूक किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि समस्त उप जिलाधिकारी, पुलिस क्षेत्राधिकारी, समस्त खण्ड विकास अधिकारी, समस्त अधिशासी अधिकारी, बाल संरक्षण इकाई, महिला शक्ति केन्द्र द्वारा ''अक्षय तृतीया'' के अवसर पर होने वाले बाल विवाह पर प्रतिबन्ध लगाने हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करेंगें।

स्थायी निगरानी टीम में नियुक्त अधिकारियों की ड्यूटी में किया गया संशोधन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिला मजिस्ट्रेटधजिला निर्वाचन अधिकारी (न0नि0) चन्द्र विजय सिंह ने अवगत कराया है स्थायी निगरानी टीमों एस0एस0टी0 का गठन किया गया था, जिसमें विभागीय कार्यों की अधिकता के दृष्टिगत आंशिक संशोधन करते हुए पुनः उक्त आदेश इसी सीमा तक संशोधित समझा जाये। उन्होंने बताया कि नगर पंचायत ओबरा, शारदा मंदिर चौराहा के लिए पूर्व में आलोक कुमार मिश्रा, क्षेत्रीय वनाधिकारी वन प्रभाग,ओबरा मो0 नं0–9936302048 को नियुक्त किया गया था, को संशोधित करते हुए वर्तमान समय में नगर पंचायत ओबरा, शारदा मंदिर चौराहा के लिए अश्वनी कुमार चौबे, उप क्षेत्रीय वनाधिकारी, वन प्रभाग ओबरा सोनभद्र को नियुक्त किया गया है। उन्होंने बताया कि स्थायी निगरानी टीम चेक पोस्टों पर रहेगी और अपने क्षेत्र में भारी मात्रा में लाये जाने वाले नगदी, अवैध शराब, कोई संदेहास्पद वस्तु या शस्त्रों इत्यादि की आवाजाही पर निगरानी रखेगी, जॉच की समस्त प्रक्रिया की वीडियोग्राफी की जायेगी, इस दौरान स्थायी निगरानी दलों के लोकेशन समय–समय पर बदले जायेंगें, जिससे कि अचरज का पुट बनाये रखा जा सकें।

मार्गदर्शन में जनपदीय पुलिस ने अलविदा की नमाज को सकुशल कराया गया सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। अलविदा की नमाज से पूर्व पुलिस अधीक्षक सोनभद्र

डॉ0 यशवीर सिंह द्वारा अलविदा की नमाज की ड्यूटी पर लगे समस्त पुलिस अधिकारीध्कर्मचारीगण को ब्रीफ कर सतर्क रहकर चप्पे–चप्पे पर नजर रखते हुए अलविदा की नमाज को सकुशल सम्पन्न कराये जाने के निर्देश दिए गए थे। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) व एसडीएम सदर द्वारा मय पीएसी बल अलविदा की नमाज को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु कस्बा रॉबर्ट्सगंज में फ्लैग मार्च किया गया तथा मस्जिदों पर ड्यूटी में लगे कर्मचारियों को ब्रीफ किया गया इसी प्रकार जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारी व थाना प्रभारियों द्वारा नमाज के दौरान अपने–अपने क्षेत्रों में भ्रमणशील रहते हुए दंगा नियंत्रण उपकरणों से लैस होकर मस्जिदों पर सर्तकता पूर्वक ड्यूटी करते हुए अलविदा की नमाज को सकुशल सम्पन्न कराया गया।

चोरी से सम्बन्धित प्रकरण में 03 नफर वांछित अभियुक्तगण को किया गया गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक डॉ0 यशवीर सिंह के निर्देशन में जनपद में चोरी पर प्रभावी रोकथाम लगाने तथा चोरी की घटनाओं के शीघ्र अनावरण व उसमें संलिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना चोपन पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0–71/2023 धारा 379,411 में वांछित 03 नफर अभियुक्तगण 01.सन्तलाल पुत्र रामसुमेर निवासी डाला चढाई झपरहवा थाना चोपन जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 25 वर्ष, 02. बुल्लू पुत्र हरिश्चन्द्र निवासी डाला चढाई झपरहवा थाना चोपन जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 23 वर्ष, 03. गफूर खान पुत्र जाकीर खान निवासी चूड़ी गली डाला थाना चोपन जनपद सोनभद्र को गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

एकल्व्य माडल आवासीय बिद्यालय का संचालन जुलाई से

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिला समाज कल्याण अधिकारी रमाशंकर यादव ने अवगत कराया है कि एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय पिपरखाड़, विकास खण्ड कोन सोनभद्र का संचालन माह जुलाई, 2023 में किया जाना है। यह विद्यालय कक्षा 6 से 12 तक सी0बी0एस0ई0 पैटर्न पर नवोदय की तर्ज पर संचालित किया जायेगा, जिसमें 50प्रतिशत बालक तथा 50प्रतिशत बालिकाएँ संवसित होकर पठन–पाठन करेंगी, संवासित बालकध्बालिकाओं को भोजन, नास्ता, स्टेशनरी, दैनिक सामग्री इत्यादि की व्यवस्था निःशुल्क करायी जायेगी। वर्तमान शैक्षणिक सत्र 2023–24 में कक्षा–6, 7 एवं 8 की पढ़ायी करायी जायेगी, जिसमें प्रत्येक कक्षा में 30–30 जनजाति के बालकध्बालिकाओं का प्रवेश लिया जायेगा, कुल छात्र संख्या 90 बालक, 90 बालिकाओं का 10 प्रतिशत विमुक्त जाति समुदाय के बच्चों, नक्सलवादध्कोविड में अपने माता–पिता को खो चुके बच्चों, अनाथ बच्चों तथा विधवाओं, दिव्यांग माता–पिता के बच्चों को स्कूल में प्रवेश लिया जायेगा। छात्र–छात्राओं के प्रवेश आवेदन के लिए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं जिला विद्यालय निरीक्षक से सहयोग लिया जा रहा है, अनुसूचित जनजाति वर्ग के ऐसे अभिभावक जो अपने पाल्य बालकध्बालिका का कक्षा 6, 7 एवं 8 में उक्त विद्यालय में प्रवेश कराना चाहते हैं, वे अपने ब्लाक के खण्ड शिक्षा अधिकारी या सम्बन्धित विद्यालय से प्रवेश फार्म लेकर उसमें जाति प्रमाण–पत्र, टी0सी0 मार्कसीट, आधार कार्ड एवं निवास प्रमाण पत्र को संलग्न कर आवेदन भरकर अपने सम्बन्धित विद्यालयध खण्ड शिक्षा अधिकारी या जिला समाज कल्याण कमरा नं0–47 में जमा कर सकते हैं।

जनपद सिद्धार्थनगर के महत्वपूर्ण नम्बर

जिलाधिकारी	मो0:– 9454417530
मुख्य विकास अधिकारी	मो0:– 9454464749
एस डीएम नौगढ़	मो0:– 9454415936
एस डीएम बांसी	मो0:– 9454415937
एस डीएम डुमरियागंज	मो0:– 9454415939
एस डीएम इटवा	मो0:– 9454415939
एस डीएम शोहरतगढ़	मो0:– 9454415940
पुलिस अधीक्षक	मो0:– 9454400305
थाना मोहाना	मो0:– 9454404239
थाना जोगिया उदयपुर	मो0:– 9454404235
थाना गोलौरा	मो0:– 9454404233
थाना पथरा बाजार	मो0:– 9454404240
थाना त्रिलोकपुर	मो0:– 9454404243
थाना उसका बाजार	मो0:– 9454404244
थाना शोहरतगढ़	मो0:– 9454404241
थाना खेसरहा	मो0:– 9454404236
थाना इटवा	मो0:– 9454404234
थाना चिल्हिया	मो0:– 9454404229
थाना ढेबरूआ	मो0:– 9454404230
थाना भवानीगंज	मो0:– 9454404228
थाना मिश्रौलिया	मो0:– 9454404238
थाना सि0नगर	मो0:– 9454404242
थाना डुमरियागंज	मो0:– 9454404232
थाना लोटन	मो0:– 9454404237
महिला थाना	मो0:– 9454404891

राष्ट्रीय दैनिक
बुद्ध का संदेश
(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458
संस्थापक
स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादक
राजेश कुमार शर्मा
9415163471, 9453824459
दैनिक बुद्ध का संदेश
9795951917,9415163471
@budhakasandesh
budhakasandeshnews@gmail.com
www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

बच्चों की हेल्थ के सीधे इफेक्ट करते हैं हेल्थ ड्रिंक्स, सेहत को नुकसान पहुंचाती हैं इनमें मिलीं ये 4 चीजें

आजकल मार्केट में कई ऐसे प्रोडक्ट्स आ गए हैं, जिन्हें बच्चे बड़े ही चाव से खाते हैं. बच्चे आसानी से दूध पी लें, इसके लिए पैरेंट्स उनके मिल्क को टेस्टी बनाने के लिए उसमें हेल्थ ड्रिंक या पाउडर मिला देते हैं. जो उनकी सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है. आजकल तो हेल्थ और एनर्जी ड्रिंक का ट्रेंड ही चल पड़ा है. जिसके सेवन से डिहाइड्रेशन जैसी समस्याओं को दूर करने का दावा भी किया जाता है. लेकिन बच्चों की सेहत पर इसका निगेटिव असर हो सकता है. हेल्थ ड्रिंक्स में मिली कुछ चीजें सीधे बच्चों की हेल्थ को इफेक्ट करती हैं. आइए जानते हैं..

शुगरः बच्चों के लिए मार्केट में कई तरह के एनर्जी ड्रिंक्स आजकल आ गए हैं. जिन्हें पीने के बाद बच्चों के एक्टिव होने का दावा किया जाता है. बच्चे इसे पीने के बाद एक्टिव भी हो जाते हैं लेकिन उनमें बीमारियां भी हो सकती हैं. इन हेल्थ ड्रिंक में शुगर अच्छी खासी मात्रा में पाई जाती है. इससे मोटापा, दांतों में सडन, नींद की कमी जैसी समस्याएं हो सकती हैं. एनर्जी ड्रिंक का शुगर टेस्ट तो बढ़ा देता है लेकिन कई स्टडी बताती हैं कि इससे बच्चों की सीखने–समझने और याद रखने की क्षमता पर भी बुरा प्रभाव पड़ सकता है.

सोडियमः मार्केट में उपलब्ध कई हेल्थ ड्रिंक्स और हेल्दी फूड्स में सोडियम भरपूर मात्रा में मिलती है. खासकर पैकेज्ड फूड में तो सोडियम की मात्रा अच्छी खासी होती है. इनके सेवन से बच्चों में मोटापा, तनाव और हाई बीपी जैसी समस्याएं हो सकती हैं. हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार, 8 से 17 साल की उम्र के बच्चों में सोडियम ज्यादा होने से हाई बीपी का खतरा रहता है, उन्हें हार्ट डिजीज भी हो सकती हैं.

कैफीनः कैफीन भी बच्चों की सेहत के लिए काफी नुकसानदायक होता है. एनर्जी या हेल्थ ड्रिंक्स में कैफीन भरपूर पाया जाता है. इससे हाई ब्लड प्रेशर और नींद ना आने की समस्या हो सकती है. इससे मूड स्विंग और तनाव जैसी समस्याएं भी होने का खतरा रहता है. कैफीन वाले ड्रिंक्स से बच्चों में सिरदर्द भी हो सकता है.

हाई फ्रक्टोज कॉर्न सीरपः कई हेल्थ ड्रिंक में हाई फ्रक्टोज कॉर्न सीरप होता है. जिसके सेवन से हेल्थ से जुड़ी समस्याएं होने लगती है. कार्बोहाइड्रेट फूड जैसे चावल खाने से बॉडी को ग्लूकोज मिलता है, जो सेल्स की मदद से पूरे शरीर में आसानी से फैल जाती है. हालांकि, जब हाई फ्रक्टोज कॉर्न सीरप बच्चे यूज करते हैं तो यह फ्यूल बनकर एनर्जी बनने से पहले ही फैट बन जाता है और लीवर में जमा होने लगता है.

बैकलेस ड्रेस में श्रिया सरन ने बिखेरा जलवा, तस्वीरें देख थमी फैंस की सांसें

श्रिया सरन ने हाल ही में अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस ने बैकलेस ड्रेस पहना हुआ है जिसमें उनकी हॉटनेस इंटरनेट पर कहर बरपा रही

हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो वो फैंस के बीच तेजी से वायरल होने लगती हैं। साउथ और बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रिया सरन आए दिन अपनी बोल्ड और हॉट फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर कर चर्चाओं में रहती हैं। एक्ट्रेस हर बार अपनी ग्लैमरस तस्वीरों से सोशल मीडिया का टैम्परेचर हाई कर देती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस श्रिया सरन ने अपने लेटेस्ट तस्वीरें शेयर कर फैंस के बीच लाइमलाइट लूट ली है। इन तस्वीरों में अभिनेत्री श्रिया ने बेहद ही रिवीलिंग बैकलेस थाई हाई स्लिट ड्रेस पहनी हुई है। श्रिया सरन का ये लुक फैंस को बेहद पसंद आ रहा है। हालांकि लोग उनकी तारीफ करते हुए भी नहीं थक रहे हैं। कानों में इयरिंग्स, बालों को स्टाइल कर के और साथ ही ग्लैमरस मेकअप कर के एक्ट्रेस ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। एक्ट्रेस अपना फोटोशूट करवाते हुए कैमरे के सामने अपना परफेक्ट टोंड फिगर फ्लॉन्ट करती हुई दिखाई दे रही हैं। श्रिया सरन के वर्कफ्रंट की बात करें तो उन्हें आखिरी बार दृश्यम 2 में देखा गया था। जिसमें उन्होंने अपनी दमदार एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीत लिया था।

6 शुभ योगों में मनाई जायेगी अक्षय तृतीया, करें मां लक्ष्मी की पूजा

हिंदू धर्म में अक्षय तृतीया को काफी शुभ माना जाता है। इस दिन मांगलिक व शुभ कार्य किए जाते हैं। अक्षय तृतीया को आखा तीज के नाम से भी जानते हैं। ग्रंथों के मुताबिक इसी दिन सतयुग और त्रेतायुग की शुरुआत हुई थी। इस दिन किया गया जप, तप, ज्ञान, स्नान, दान, होम आदि अक्षय रहते हैं। इसी कारण इसे अक्षय तृतीया कहा जाता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि है। इस साल अक्षय तृतीया शनिवार 22 अप्रैल को मनाई जाएगी। अक्षय तृतीया पर छह योगों का संयोग बन रहा है। इनमें आयुष्मान योग, सौभाग्य योग, त्रिपुष्कर योग, रवि योग, अमृत सिद्धि योग और सर्वार्थ सिद्धि योग का संयोग है। तृतीया से लेकर अगले दिन तक सुबह तक श्रेष्ठ मुहूर्त में विवाह के फेरे लिए जा सकेंगे। हिंदू पंचांग के अनुसार तीन ऐसे मुहुर्त हैं, जिनमें बिना पंचाग देखे कोई भी शुभ कार्य संपन्न किया जा सकता है। पहला वसंत पंचमी, दूसरा देवउठनी एकादशी और तीसरा महामुहूर्त अक्षय तृतीया को माना जाता है। इस दिन सूर्य मेष राशि में और चंद्रमा वृषभ राशि में होता है। इस स्थिति को मांगलिक कार्यों के लिए शुभ माना जाता है। अक्षय तृतीया समृद्धि का सूचक है। इस दिन मां लक्ष्मी की भी पूजा करनी चाहिए। सोना, चांदी खरीदना शुभ माना जाता है। तृतीया तिथि 22 अप्रैल को सुबह 7.49 बजे से प्रारंभ होकर 23 अप्रैल को सुबह 7.47 बजे तक रहेगी।

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि हिंदू धर्म में अक्षय तृतीया को एक शुभ मुहूर्त और महत्वपूर्ण तिथि माना जाता है। अक्षय तृतीया के त्योहार को आखा तीज कहा जाता है। हर साल वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि पर यह पर्व मनाया जाता है। इस तिथि पर सभी तरह के मांगलिक और शुभ कार्य किया जा सकता है। अक्षय तृतीया के दिन खरीदारी करना बेहद शुभ होता है। इसे अबूझ मुहूर्त भी कहा है। इस दिन भगवान परशुराम का जन्म हुआ था। इसलिए इसे परशुराम तीज भी कहते हैं। इसी दिन भगवान विष्णु ने नर और नारायण के रूप में अवतार लिया था।

पितरों की तृप्ति का पर्व

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि इसी दिन बद्रीनाथ धाम के पट खुलते हैं। अक्षय तृतीया पर तिल सहित कुश के जल से पितरों को जलदान करने से उनकी अनंत काल तक तृप्ति होती है। इस तिथि से ही गौरी व्रत की शुरुआत होती है। जिसे करने से अखंड सौभाग्य और समृद्धि मिलती है। अक्षय तृतीया पर गंगास्नान का भी बड़ा महत्व है। इस दिन गंगा स्नान करने या घर पर ही पानी में गंगाजल मिलाकर नहाने से हर तरह के पाप खत्म हो जाते हैं।

तीर्थ स्नान और अन्न–जल का दान

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि इस शुभ पर्व पर तीर्थ में स्नान करने की परंपरा है। ग्रंथों में कहा गया है कि अक्षय तृतीया पर किया गया तीर्थ स्नान जाने–अनजाने में हुए हर पाप को खत्म कर देता है। इससे हर तरह के दोष खत्म हो जाते हैं। इसे दिव्य स्नान भी कहा गया है। तीर्थ स्नान न कर सकें तो घर पर ही पानी में गंगाजल की कुछ बूंदे डालकर नहा सकते हैं। ऐसा करने से भी तीर्थ स्नान का पुण्य मिलता है। इसके बाद अन्न और जलदान का संकल्प लेकर जरुरतमंद को दान दें। ऐसा करने से कई यज्ञ और कठिन तपस्या करने जितना पुण्य फल मिलता है।

दान से मिलता है अक्षय पुण्यः भविष्यवक्ता डा. अनीष व्यास ने बताया कि अक्षय तृतीया पर घड़ी, कलश, पंखा, छाता, चावल, दाल, घी, चीनी, फल, वस्त्र, सत्तू, ककड़ी, खरबूजा और दक्षिणा सहित धर्मस्थान या ब्राह्मणों को दान करने से अक्षय पुण्य फल मिलता है। अबूझ मुहूर्त होने के कारण नया घर बनाने की शुरुआत, गृह प्रवेश, देव प्रतिष्ठा जैसे शुभ कामों के लिए भी ये दिन खास माना जाता है।

अक्षय तृतीया

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि इस साल वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि शनिवार 22 अप्रैल को सुबह 07रू49 मिनट से शुरू हो रही है। यह तिथि अगले दिन 23 अप्रैल को सुबह 07रू47 मिनट तक है। इस साल अक्षय तृतीया 22 अप्रैल 2023 को है।

अक्षय तृतीया मुहूर्त

कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि अक्षय तृतीया के दिन पूजा का शुभ मुहूर्त सुबह 07रू49 मिनट से दोपहर 12रू20 मिनट तक है।अक्षय तृतीया पर पूजा का मुहूर्त साढ़े चार घंटे तक है।

6 शुभ योगों से अक्षय तृतीया पर 'महायोग'

भविष्यवक्ता डा. अनीष व्यास ने बताया कि 22 अप्रैल को अक्षय तृतीया के दिन 6 शुभ योग बन रहे हैं। जो उस दिन 'महायोग' ही है। अक्षय तृतीया पर आयुष्मान योग प्रातरूकाल से लेकर सुबह 09:26 मिनट तक है, उसके बाद से सौभाग्य योग प्रारंभ होगा। जो पूरी रात रहेगा। अक्षय तृतीया पर त्रिपुष्कर योग सुबह 05:49 मिनट से सुबह 07:49 मिनट तक है। रवि योग रात में 11:24 मिनट से अगली सुबह 05:48 मिनट तक है। इसके साथ ही सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग रात 11:24 मिनट से अगले दिन सुबह 05:48 मिनट तक रहेगा।

आयुष्मान योग – प्रातः काल से लेकर सुबह 09:26 मिनट तक

सौभाग्य योग – सुबह 09:26 मिनट से पूरी रात तक

त्रिपुष्कर योग – सुबह 05:49 मिनट से सुबह 07:49 मिनट तक

रवि योग – रात में 11:24 मिनट से शुरू होकर अगली सुबह 05:48 मिनट पर समाप्त होगा

सर्वार्थ सिद्धि योग – रात 11:24 मिनट से अगले दिन सुबह 05:48 मिनट तक रहेगा

अमृत सिद्धि योग – रात 11:24 मिनट से अगले दिन सुबह 05:48 मिनट तक रहेगा

ब्रह्मा के पुत्र अक्षय का प्राकट्य दिवस

कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि अक्षय तृतीया को युगादि तिथि भी कहते हैं। अक्षय का अर्थ है, जिसका क्षय न हो। इस तृतीया का विष्णु धर्मसूत्र, भविष्य पुराण, मत्स्य पुराण और नारद पुराण में उल्लेख है। ब्रह्मा के पुत्र अक्षय का इसी दिन प्राकट्य दिवस रहता है। दान के लिए खास दिन इस दिन अत्र व जल का दान करना शुभ माना है। खास कर जल से भरा घड़ा या कलश किसी मंदिर या प्याऊ स्थल पर जाकर रखना चाहिए। ऐसा करने से सुखसमृद्धि बढ़ती है। इस दिन प्रतिष्ठान का शुभारंभ, गृह प्रवेश व अन्य मंगलकार्य करना विशेष फलदायी रहता है।

भगवान विष्णु ने लिए कई अवतारः भविष्यवक्ता डा. अनीष व्यास ने बताया कि अक्षय तृतीया को चिरंजीवी तिथि भी कहा जाता है, क्योंकि इसी तिथि पर भगवान विष्णु के अवतार परशुराम जी का जन्म हुआ था। परशुराम जी चिरंजीवी माने जाते हैं यानी ये सदैव जीवित रहेंगे। इनके अलावा भगवान विष्णु के नर–नरायण, हयग्रीव अवतार भी इसी तिथि पर प्रकट हुए थे।

विष्णु–लक्ष्मी की विशेष पूजा

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि अक्षय तृतीया पर सुबह जल्दी उठें और स्नान आदि के बाद घर के मंदिर में विष्णु जी और लक्ष्मी जी पूजा करें। सबसे पहले गणेश पूजन करें। इसके बाद गाय के कच्चे दूध में केसर मिलाकर दक्षिणावर्ती शंख में भरकर भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी की प्रतिमाओं का अभिषेक करें। इसके बाद शंख में गंगाजल भरकर उससे भगवान विष्णु जी और देवी लक्ष्मी का अभिषेक करें। भगवान विष्णु और लक्ष्मी जी को लाल–पीले चमकीले वस्त्र अर्पित करें। हार–फूल, इत्र आदि अर्पित करें। खीर, पीले फल या पीली मिठाई का भोग लगाएं। पीपल में भगवान विष्णु का वास माना गया है। इसलिए इस दिन पीपल के पेड़ पर जल चढ़ाएं। किसी मंदिर में या जरूरतमंद लोगों को अन्न–जल, जूते–चप्पल, वस्त्र, छाते का दान करें। सूर्यास्त के बाद शालिग्राम के साथ ही तुलसी के सामने गाय के दूध से बने घी का दीपक जलाएं। अक्षय तृतीया पर किसी सामूहिक विवाह में ध ान राशि भेंट करें। किसी अनाथ बालिका की शिक्षा या उसके विवाह में आर्थिक मदद करें।

अक्षय तृतीया का महत्व

भविष्यवक्ता डा. अनीष व्यास ने बताया कि अक्षय तृतीया के दिन को अबूझ मुहूर्त माना जाता है। इस दिन विवाह के साथ वस्त्र, आभूषण, भवन व वाहन आदि की खरीदारी करना शुभ माना जाता है। इसके साथ ही इस दिन धार्मिक कार्य शुभ फलदायी माने जाते हैं। मान्यता है कि अक्षय तृतीया के दिन दान करने से सुख–संपत्ति में बढ़ोतरी होती है। अक्षय तृतीया का सर्वसिद्ध मुहूर्त के रूप में महत्व माना गया है। इस दिन बिना पंचांग देखे शुभ कार्य किया जा सकता है। इस दिन विवाह, गृह प्रवेश, वस्त्र–आभूषणों, मकान, वाहन आदि की खरीददारी कार्य किए जा सकते हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार इस दिन पितरों को किया गया तर्पण और पिंडदान फलदायक होती है। वह पवित्र नदियों में स्नान करने से समस्त दुखों से छुटकारा मिलता है।

पूजा विधि

कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि अक्षय तृतीया के दिन व्रत रखें। सूर्योदय से पहले स्नान कर लें। फिर पीले कपड़े पहने। घर के मंदिर में भगवान विष्णु की प्रतिमा को गंगाजल से शुद्ध करें। भगवान को पीले फूल और तुलसी अर्पित करें। अब दीप और अगरबत्ती जलाकर आसन पर बैठे। विष्णु चालीसा या विष्णु सहस्तरनाम का पाठ करें। आखिर में श्रीहरि की आरती करें।

अक्षय तृतीया पर पूजा मंत्र

ऊँ नमो भाग्य लक्ष्म्यै च विद्महे अष्ट लक्ष्म्यै च धीमहि तन्नो लक्ष्मी प्रचोदयात्।।

पौराणिक कथा

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि इस दिन भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम का जन्म हुआ था। यही कारण है कि इस दिन को अक्षय तृतीया के रूप में मनाया जाता है। इस दिन परशुराम का जन्मोत्सव भी मनाया जाता है।मान्यता है कि इस दिन भागीरथ की कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर मां गंगा स्वर्ग से धरती पर अवतरित हुई थीं। एक मान्यता यह भी है कि इस दिन मां अन्नपूर्णा का जन्म हुआ। इसलिए कहा जाता है कि अक्षय तृतीया के दिन रसोई घर व अनाज की पूजा जरूर करनी चाहिए। कहा जाता है कि अक्षय तृतीया के दिन ही महर्षि वेदव्यास ने महाभारत लिखना शुरू किया था। इस ग्रंथ में श्री भगवत गीता भी समाहित है। इसलिए इस दिन श्री भगवत गीता के 18वें अध्याय का पाठ अवश्य करना चाहिए। मान्यता है कि अक्षय तृतीया के दिन ही नर–नारायण ने भी अवतार लिया था। इसलिए इस दिन को शुभ माना जाता है।